RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

हिन्दी मासिक जोधपुर

माली सैनी सन्देश

वर्ष : 15 अंक : 189 28 मार्च, 2021 मूल्य : 30/-प्रति

वीर शिरोमणि

राव राजा हेमा गहलोत

जोधपुर नगर निगम (उत्तर)

महापौर श्रीमती कुंती परिहार

के जन्मदिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

- पक्षियों के लिए बर्ड फीडर
- सत्य करूणा आश्रम में भोजन वितरण
- लांयस क्लब द्वारा आंखों की जांच शिविर
- रालावास गौशाला गायों को लापसी
- कुष्ठ आश्रम में फल वितरण
- पुंजला नाड़ी में वृक्षारोपण
- दयानंद गौशाला में चारा वितरण
- आंगणवा स्कूल में फल वितरण
- नृसिंह प्याऊ में रक्तदान शिविर
- गांधी मुक बधिर विद्यालय में फल वितरण
- निगम कार्यालय में मास्क वैन को हरी झण्डी
- अपना घर आश्रम में भोजन वितरण
- इसके अलावा भी अनेकों जन सेवा के कार्यक्रमों का आयोजन पार्षदों समाजसेवी संस्थाओं और प्रबुद्धजनों द्वारा किया गया।

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 15 ● अंक 189 ● 28 मार्च, 2021 ● ● मूल्य : 30/-प्रति ●

माली सैनी संदेश पत्रिका के सम्मानीय माननीय संरक्षक सदस्यगण

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम जोधपुर)

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी / भामाशाह)

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति / समाजसेवी)

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स / समाजसेवी)

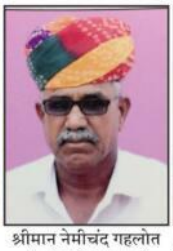

श्रीमान नेमीचंद गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान पुखराज सांखला
(अध्यक्ष, माली संस्थान, जोधपुर)

डॉ. किशन माली
(शिक्षक/ समाजसेवी)

श्रीमान ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला उपाध्यक्ष, भाजपा, जोधपुर)

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति / भामाशाह)

श्रीमान युधिष्ठर सिंह परिहार
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान सुरेश सैनी
(समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) सुरेन्द्र देवड़ा
(हृदय रोग विशेषज्ञ, एम्स)

श्रीमान अशोक पंवार
(कॉन्ट्रेक्टर/भामाशाह)

श्रीमान संपतसिंह कच्छवाहा
(शिक्षाविद / समाजसेवी)

श्रीमान इंद्रसिंह सांखला
(समाजसेवी)

श्रीमान नरेश सांखला
(कॉन्ट्रेक्टर / समाजसेवी)

श्रीमान प्रवीण सिंह परिहार
(बिल्डर / उद्यागपति)

श्रीमान रामेश्वरलाल कच्छवाहा
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान (डॉ.) पवन परिहार
(शिशु रोग विशेषज्ञ, पावटा स्टेलाईट)

श्रीमान अरविंद कच्छवाहा
(व्यवसायी/समाजसेवी)

श्रीमान प्रीतम गहलोत
(व्यवसायी / समाजसेवी)

श्रीमान आर.पी. सिंह परिहार
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्रीमान बंशीलाल सैनी
(व्यवसायी/समाजसेवी)

सी.ए. श्री महेश गहलोत
(उद्योगपति/समाजसेवी)

श्री आदित्य सिंह गहलोत
(युवा राजनेता/समाजसेवी)

श्री चन्द्रसिंह देवड़ा
(समाजसेवी/उद्योगपति)

श्री प्रकाश सिंह गहलोत
(कॉलोनाईजर/समाजसेवी)

श्री दीपकसिंह गहलोत
(आईटी एक्सपर्ट/भामाशाह)

श्री महेश गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

माली सैनी संदेश के माननीय संरक्षक बनने हेतु आप सादर आमन्त्रित है

संपादक की कलम से...

समाज का पारम्परिक मण्डोर का राव मेला..

मनीष गहलोत
संपादक

भारतीय जीवन में पर्व परम्पराओं व त्यौहारों ने विभिन्न रंग बिखेर रखे है। विभिन्न प्रांतों में होने वाले त्यौहारों एवं मेलों की अपनी एक अनुठी शैली होती है। शैली की यही विलक्षणता जीवन में विशेष उत्साह का सृजन करती हैं। छोटे बड़े, जवान बूढ़ें, स्त्री पुरूषों में उमंगों को तरंगित करती है।वर्तमान में तनावपूर्ण वातावरण को कुछ पल, कुछ दिनों के लिये हर्षोल्लासमयी बना देती है। हमारे पुरखों ने सामाजिक परिप्रेक्ष्य में मेले एवं त्यौहारों की परम्पराओं को अधिष्ठित कर प्रत्येक जीवन को खुशनुमा बनाने के लिये अपने अनुभवों की परिपक्वता की पुष्टि की है। इन्हीं पर्वों एवं त्यौहारों की कडी मे जोधपुर के मण्डोर क्षेत्र में होने वाला राव का मेला अती प्रख्यात है। राव राज में सबसे महले महाराजा फतहसिंह जी ने इसे अपने शासनकाल में इस पारंपरिक मनोरजंन के रूप में चालू किया था। राव तथा होद में राव के साथ कूदने वालों को पारितोषिक के स्वरूव गुड़ व धान दिया जाता था जो उस समय अच्छे पारितोषिक के रूप में माना जाता था व पाने वाला अपने आप को भाग्यशाली समझता था। मण्डोर प्रांरभ में जोधपुर रियासत की राजधानी हुआ करता था तभी से इस राव मेले का चलन है जो आज भी सभी को आकर्षित करता है

जहां तक इतिहासविद् बताते है कि संवत 1948से पहले राव फूलबाग (मण्डोर) का ही होता था। राव बनाने का अधिकार केवल फूलबाग के निवासियों को ही था। फूलबाग के निवासी मिलकर गैर बनाते थे। उस समय फूल बाग के लोग गैर तैयार करते थे व नागौरी बेरा को सुरक्षा की जिम्मेदारी थी। समाज के प्रभावशाली नव विवाहित युवक को छापा लगाकर राव की उपाधि देकर उसे फूलमालाओं से लाद कर तैयार करते थे। इसके साथ ही अन्य प्रकार के स्वाँग बनाते अर्थात अपना रूप बहुरूपियों सा बना लेते थे। मण्डोर की अन्य बस्तियों (बेरों) - खोखरियो, मण्डावता, भिंयाली बेरा, गोपी बेरा , आमली बेरा के निवासी गैरें बनाकर राव की गैर में सम्मलित होते थे। राव को आगे नाचते, गातें सभी गैरें उसके पीछे अन्य गैरियें मण्डोर की अजित पोल से होते हुए जनाना बाग में प्रवेश करते थे वहां स्थित जनाना बाग में स्थित जल-कुण्ड में सर्व प्रथम राव बना युवक कूदता है उसके पीछे पीछे अन्य गैरियें भी कुण्ड में कूद कर तबीयत से गैर खेलते थे। इस जल क्रीडा के बाद सभी हवाला कोटडी आते इस रस्म के बाद राव का मेला संपन्न हो जाता था और सभी विसर्जित हो जाते थे।

इस दौरान राव को किसी प्रकार की किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचाये, कोई उत्पात न करें, इसकी रोकथाम के लिये मायली मण्डावता को संरक्षणार्थ नियत किया गया है। मण्डावता वाले इस राव की रक्षापंक्ति होती है। यह रक्षापंक्ति खोखरिया बेरा राव को लेने आती है उसको आमंत्रित करती है। इस आमंत्रण के बाद राव नाचता कूदता गैर के आगे आगे चलता है और अन्य गैरियें उसके पीछे पीछे ढ़ोल थाली की झंकार पर फाल्गुनी गीत गाते, नाचते कूदते हुए आम्बलिया बेरा पहुंचते है। बही भाटों से पता चलता है कि आमली वाला बेरा श्री घासीराम गहलोत को उनके पूर्वजों ने खुदवाया था स्वर्गीय श्री घासीराम ने यह बेरा व जमीन रूपजी पुत्र श्री नेबजी गहलोत एवं स्वर्गीय श्री भोमजी पुत्र री खूमजी गहलोत चचेरे भाईयों बेच दिया। बताते है कि संवत् 1948 के आसपास एक बार किसी विवाद को लेकर फूलबाग में आपसी संघर्ष हो गया। जिससे खिन्न होकर फूलबाग के निवासियों ने राव को पांच रूपये में खोखरिया बेरा के निवासियों को बेच दिया। खोखरिया बेरा के निवासियों को यह अधिकार दिया गया कि अब भविष्य में राव खोखरिया बेरा का ही होगा, तीी से आज पर्यन्त राव खोखरिया बेरा का ही होता है। गैर सर्वप्रथम समस्त बेरों, मोहल्लों में घुमाई जाती है तत्पश्चात् सभी एक जगह एकत्र हो जाते है।

अत: रूपजी के पुत्र छोगजी व छोग जी के पुत्र श्री छंवरलाल जी व हेमसिंह जी गहलोत जो पंच थे एक साल राव को छाप लगाते तथा दूसरे साल भोमजी के पुत्र स्वर्गीय श्री तिलाराम व तिलाराम के पुत्र श्री संतोष एवं श्री लक्ष्मीनारायण जो पंच थे । राव का मेला होली दहन के बाद रामाशामा का शाम 3.45 बजे से खोखरिया बेरा से राव की गैर ढ़ोल मंजिरों के साि सज धज कर मण्डावता वालों की अगुवाई में रवाना होती है।

ऐसे लोग छाप लगाकर उस समारोह का विधिवत् राव घोषित किया जाता है। जब राव आगे बढ़ता गया त्यों त्यों अन्य मोहल्ले भिंयाली बेरा, गोपी बेरा, बड़ा बेरा आदि की गैरे भी इसके साथ शामिल होकर राव की गैर को वृहद् रूप प्रदान करते है। मण्डोर का राव मेला बहुत मशहूर है। इसे देखने के लिये लोग उत्साहित रहते है। इसे देखने के लिए जोधपुर के अलावा विभिन्न गांवों से अनेकों लोग राव को देखने के लिए आते है। भाटों की बहियों में अंकन से मालूम होता है कि तत्कालीन राजा महाराज भी इस राव को देखने आते थे। मण्डोर जब जोधपुर की राजधानी थी तब गैरें राजघरानों में जाती थी। रानियाँ महारानियाँ इन्हे देखकर आत्मविभोर होती थी। प्रमण मिले है कि सर प्रतापसिंह जी, किशोरसिंह जी, अधिकांशत: राव को देखने आते थे। इस हँसी खुशी के माहौल में अपनी भागीदारी भी निभाते थे। मण्डोर उद्यान के गेट के बाहर तक सुंदर लोक गीतों वाले होली के गीत गायें जाते है तथा गेट के अंदर जाने के बाद शुद अश्लील फाग गाता है अगले वर्ष उसके लिए शुभ होता है ऐसा पूर्वज कह गये है।

आज तक सबसे ज्यादा बार राव बनने का श्रेय खोखरिया बेरा निवासी श्री मेघसिंह गहलोत पुत्र श्री प्रभुदयाल को जाता है जो सात बार राव बनें उसके बाद उनके परिवार के ही श्री जगन्नाथ गहलोत तीन बार राव बने है।

वर्तमान में आधुनिक मनोरंजन के साधनों के बावजूद इस राव के मेले का चाव लोगो के जहन में आज भी मौजूद है। होली के बाद दूसरे दिन रामासामा के दिन इस मेले का आयोजन किया जाता है। यह राव आज भी अपनी पहचान को यथावत् बनाये हुए है। राव का बहुरूपियापन आज भी लोगों के दिलों को प्रसन्नता, हंसी माज से सरोबार करता है।वर्तमान में तनावपूर्ण जीवन में कुछ पल ही सही किंतु खुशियां का संचरण करता ही है। सुखद अनुभूति का अससास करता है राव का मेला।

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रंसगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

राव हेमा ने मण्डोर को विदेशी दासता से मुक्त करा मातृभूमि की रक्षा की – गहलोत

जोधपुर। सैनिक क्षत्रिय माली सांस्कृतिक संवर्धन एवं इतिहास शोध संस्था जोधपुर के सानिध्य में आनंद सिंह परिहार की लिखित पुस्तक "वीर शिरोमणि राव हेमा गहलोत" पर संगोष्ठी का आयोजन रविवार 21 मार्च 21 को मिनी ऑडिटोरियम, सूचना केन्द्र, जोधपुर में किया गया। इस पुस्तक द्वारा यह प्रमाणित किया गया कि किस प्रकार ईदा परिहारो के प्रधान राव हेमा गहलोत नें मण्डोर पर से तुर्को पर विजय पाई, इसी कारण मण्डोर से निकलने वाली राव जी की गैर जो हेमा गहलोत द्वारा विजयी होने की व अपने ईष्ट देव भैरव में अटूट आस्था होने के उपलक्ष में 629 वर्ष पूर्व शुरू की गई। परिहार ने राव हेमा गहलोत के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।

इस सामारोह के मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र गहलोत सांसद राज्य सभा ने राव हेमा गहलोत ने विदेशी दासताओं से मण्डोर को मुक्त ही नहीं करवाया बल्कि विकट परिस्थितियों में भी अपनी दूरदर्शिता से मातृभूमि, प्रजा व धर्म की रक्षा के लिए सदैव तत्परता से मुकाबला किया। समाज से अपील की हेमा गहलोत की अश्वारूढ़ मूर्ति मण्डोर चौराह या पास की पहाड़ी पर स्थापित कर उनकी वीरत्व का सम्मान करना चाहिए। विशेष अतिथि श्रीमति कुंती देवड़ा परिहार ने कहा राव की गैर के इतिहास को जन-जन तक पहुँचाने व इस उत्सव को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने का प्रयत्न करना चाहिए ताकि देश-विदेश के पर्यटक सदियों पुरानी विरासत के बारे में जानकारी हासिल कर सके। हमें हमारी मारवाड़ की पुरातन संस्कृति को अक्षुण बनाये रखने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा गोरां धाय के नाम पर राजस्थान के सभी 33 जिलों में अनाथ बच्चों के पुर्नवास योजना शुरू करने के लिए धन्यवाद दिया गया । संगोष्ठी के अध्यक्ष प्रो. सोहन दान चारण ने ऐसे वीरों को पृथिवी पुत्र कहा जाता है। पृथिवी पुत्र दो ही होते है एक किसान और दूसर वीर जवान। राव की गैर आध्यात्मिक मार्ग के साथ-साथ प्रकृति से संस्कृति की तरफ की विकास यात्रा का प्रतीक है। आज इस बात की आवश्यकता है कि लिखाये हुए इतिहास की जगह लिखित इतिहास की तरफ ध्यान देना चाहिए। राव की बहियों में लिखा इतिहास सच्चा इतिहास है। राव जी की गैर औरल इतिहास है। राव हेमा जी मानवीय मूल्यों के प्रतीक है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. आईदान सिंह भाटी ने कहा प्रतिरोध की संस्कृति क्षत्रिय संस्कृति है जिसनें प्रतिरोध किया वे सभी क्षत्रिय होते है। युद्ध के समय 36 कौम राजाओं के साथ होती थी और सभी एक साथ प्रतिरोध करती थी। विशिष्ट अतिथि श्याम सुन्दर भारती ने कहा वीर पुरूषों को हमेशा याद कर उनके पदचिन्हों पर चलने का प्रयास करना चाहिए। हमारी पुरातन संस्कृति साहित्य का सदैव संरक्षण करना चाहिए। अपने कविता के माध्यम से राव हेमा गहलोत के कृतित्व की प्रशंसा की।

पुस्तक लोकार्पण

इस अवसर पर मोहनलाल गहलोत द्वारा लिखित गोरां धाय (दृश्य अभियक्ति) का लोकार्पण किया गया। मोहन लाल ने कहा महापुरूषों के इतिहास से ही हमें राष्ट्र को अक्षुण बनाये रखने की सीख मिलती है। दूसरी पुस्तक दौलत खाना लेखक अनिल अबदी का भी लोकार्पण किया गया जो वर्तमान में मानवीय मूल्यों आधारित कविता संग्रह है।

दूसरा गोरां धाय पुरस्कार बाड़मेर की गीता माली को

संगोष्ठी में संस्थान द्वारा दिये जाने वाले जसधारी गोरां धाय द्वितीय पुरस्कार बाड़मेर की राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित गीता कुमारी माली को देने की धोषणा की गई। जसधारी गोरां धाय पुरस्कार अशिक्षित, आर्थिक रूप से कमजोर, शोशित एवं विधवा महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारने तथा ग्रमीण महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने व महिला सशक्तिकरण के लिये उल्लेखनीय कार्य करने पर दिया जाता है। पुरस्कार राशि 11 हजार मात्र नकद है।

इस अवसर पर प्रेम सिंह जी कच्छवाहा, दिनेश सिंघल, डॉ. मीनाक्षी बोराणा, मोहन सिंह रतनू, नरेन्द्र सिंह कच्छवाहा, दिव्या गहलोत, मुरली मनोहर राव, विरेन्द्र सिंह कच्छवाहा, डॉ. रविन्द्र सिंह परिहार व गणमान्य की उपस्थिति में आयोजित हुआ व धन्यवाद डॉ. अशोक गहलोत द्वारा दिया गया। मंच का संचालन रतन सिंह चम्पावत ने किया।

नवनिर्वाचित प्रधान धर्म सिंह दहिया सैनी एवं पदाधिकारियों का अभिनंदन समारोह आयोजित

रोहतक! उत्तरी भारत की सबसे बड़ी सैनी समाज की संस्था सैनी एजुकेशन सोसायटी रोहतक के हाल ही में संपन्न हुए चुनाव में लगातार दूसरी बार प्रधान बनें धर्म सिंह दहिया सैनी व उनके पूरे पैनल के विजयी होने की खुशी में सुखपुरा स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले समुदाय केंद्र में सैनी समाज द्वारा अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक दीपक सैनी एवं प्रदीप सैनी वकील ने आगे जानकारी देते बताया कि प्रधान की पूरा पैनल जीतने की खुशी में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था ।

नवनिर्वाचित प्रधान श्री धर्म सिंह दहिया सैनी ने संबोधित करते हुए कहा कि मैं पूरे सैनी समाज का धन्यवाद करता हूं और कोटि कोटि नमन करता हूं जिन्होंने मुझे और मेरे पूरे पैनल को जिता कर अपना आशीर्वाद दिया। मैं आपको आश्वासन देता हूं कि आपने जो मुझे और मेरी पूरी टीम पर जो भरोसा जताया है व जो दोबारा से जिम्मेवारी सौंपी है उस विश्वास को कायम रखते हुए आगे बढ़ेंगे और संस्थाओं के विकास के लिए दिन रात काम करेंगे हमारी प्रबंधन समिति की और से पूरी कोशिश की जा रही है कि जल्दी से जल्दी समाज को अपना पहला लॉ कॉलेज मिले, पहला अपना नर्सिंग कॉलेज मिले और शीघ्र अति शीघ्र 12वीं तक का स्कूल की सीबीएसई बोर्ड से मान्यता मिल सके और उसे चालू किया जा सके ताकि हमारी संस्थाओं में पढ़ने वाले प्रत्येक बच्चे को बेहतरीन शिक्षा मिल सके। ऐसा तभी संभव हो पाएगा जब मैं नहीं हम सब मिलकर सामूहिक प्रयास करेंगे इस अवसर पर प्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति इंद्रजीत सैनी ने नवनिर्वाचित प्रधान को शॉल भेंट करके एवं प्रतीक चिन्ह देकर उनको सम्मानित किया और पूरे समाज की तरफ से प्रधान को आश्वस्त किया कि आपको पूरा सहयोग समाज की ओर से मिलेगा इसके अलावा प्रबंधन समिति के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्य गणों को भी समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा फूल मालाओं एवं प्रतीक चिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया एवं साथ ही समुदाय केंद्र के ही परिसर में नवनिर्वाचित प्रबंधन समिति द्वारा पौधारोपण भी किया गया।

इस अवसर पर उप प्रधान श्री ओम प्रकाश, सचिव जगदीश सैनी, सह सचिव सुरेश सैनी एडवोकेट, कोषाध्यक्ष बुधराम सैनी, कार्यकारिणी सदस्य डॉक्टर राजेश सैनी, दीपक कटारिया, जयपाल सैनी, राजपाल सैनी, सुनील सैनी, पूर्व उप प्रधान रोहताश सैनी, पूर्व सह सचिव जितेंद्र सैनी (बंटी), अवनीश सैनी, ऋतुराज सैनी, लाजपत सैनी, सुरेंद्र काले, पवन सैनी, गौतम सैनी, शैलेंद्र एडवोकेट, जयंती सैनी एडवोकेट, राम प्रकाश सैनी, अमित सैनी बालाजी, जगदीश सैनी, सोनू सैनी, मुकेश सैनी, रविंद्र सैनी, मुकेश सैनी, राजेश सैनी, महेंद्र सैनी, रोहतास सैनी, डॉ करतार सैनी, दलबीर सैनी, मास्टर दया सिंह सैनी, सुभाष सैनी, जगदीश सैनी, श्याम सैनी, राजवीर सैनी, कर्मवीर सैनी, साहब राम सैनी, संजीव सैनी, सुनील सैनी, रमेश सैनी, राधेश्याम सैनी एडवोकेट, प्रल्हाद सैनी, जगबीर सैनी, विक्रांत सैनी, जय भगवान सैनी, पर्स राम सैनी, सुनील सैनी, रामेहर सैनी, नफे सिंह सैनी, आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे

निर्वेश सैनी 4देशो के खिलाड़ियों को हराकर जीता गोल्ड मैडल

गांव में रहकर बेटियों को सीखा रही है जूडो-कराटे

सुल्तानपुर। श्रीलंका में आयोजित इंटरनेशनल जूडो-कराटे प्रतियोगिता में चार देशों के खिलाड़ियों को हराकर गोल्ड जीतने वाली तिलकपुरी गांव की निर्वेश सैनी अपनी तैयारी के साथ-साथ क्षेत्रीय बच्चों को कराटे सिखा रही हैं। बेटियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनीं इस बेटी पर क्षेत्र के लोगों को गर्व है।

सुल्तानपुर क्षेत्र के छोटे से गांव तिलकपुरी निवासी किसान की बेटी निर्वेश सैनी ने वर्ष 2018 में श्रीलंका में आयोजित इंटरनेशनल जूडो-कराटे प्रतियोगिता में नेपाल, श्रीलंका, दुबई समेत चार देशों के खिलाड़ियों को धूल चटाकर गोल्ड मेडल हासिल किया था। निर्वेश बताती हैं कि उनकी इस उपलब्धि में माता-पिता, भाई-बहन के साथ उनके कोच रिहान, विश्वनाथ राजपूत और करुणानिधि पांडे का बड़ा योगदान रहा है। निवेश का कहना है कि वे खुद की प्रैक्टिस के साथ बच्चों को भी सिखा रही हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला स्तर पर आयोजित समारोह में मनीषा देवी सैनी को किया गया पुरस्कृत

अलवर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिला स्तर पर महिला अधिकारिता विभाग अलवर द्वारा आयोजित समारोह में जिला कलेक्टर नन्नू मल पहाड़िया द्वारा पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र एवं *5000 की राशि प्रदान कर ग्रामीण उद्यमी मनीषा देवी को सीएससी के स्त्री स्वाभिमान अभियान से जुड़कर अपने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान व्याप्त भ्रांतियों एवं इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता के लिए इंदिरा महिला शक्ति प्रोत्साहन योजना अंतर्गत जिला स्तर पर द्वितीय पुरस्कार से नवाजा गया ।

माहवारी जैसे विषय पर फैली भ्रांतियां दूर कर महिलाओं युवतियों को कर रही जागरूक, ग्रामीण अंचल की महिलाओं एवं किशोरियों के लिए पैडवूमेन बनी मनीषा देवी :

जहां एक तरफ हम आधुनिकरण की तरफ बढ़ते जा रहे हैं तकनीकों में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं लेकिन ग्रामीण क्षेत्र में आज भी अंधविश्वास और अशिक्षा के चलते कई भ्रांतियां फैली हैं ग्रामीण महिलाएं आज भी महावारी जैसे विषय पर बात करने से कतराती हैं ऐसे में बानसूर की उत्कर्ष स्वयं सहायता समूह की सचिव मनीषा देवी ने अपने समूह की महिलाओं को संगठित कर स्त्री स्वाभिमान अभियान शुरू कर महिलाओं को माहवारी जैसे विषय की गंभीरता को समझा ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए मनीषा देवी पैडवूमैन बन चुकी है जो हर दिन महिलाओं के लिए एवं किशोरियों के लिए अंधविश्वास को दूर कर महावारी से जुड़ी भ्रांतियों को मिटा रही है कोविड-19 के दौरान मनीषा देवी एवं युवा जागृति महिला मंडल की बालिकाओं द्वारा बानसूर के गांव में 5000 महिलाओं युवतियों तक नि:शुल्क सेनेटरी नैपकिन वितरित किए गए हैं।

'स्त्री स्वाभिमान अभियान से 50,000 से ज्यादा महिला युवतियां जुड़ी' उत्कर्ष एवं सहायता समूह की सचिव मनीषा देवी के नेतृत्व में 25 फरवरी दो हजार अट्ठारह को बानसूर ब्लॉक में स्त्री स्वाभिमान अभियान का आगाज किया था इसमें महिलाओं को सीमित दायरे से बाहर आकर अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरणा दी शुरू में महावारी जैसे विषय पर महिलाएं और किशोरिया बात करने से भी हिचकी चाहती थी लेकिन स्त्री स्वाभिमान अभियान से जुड़कर मनीषा देवी ने दृढ़ संकल्प से महिला अभियान से जुड़ी रही बानसूर ब्लॉक की 40 ग्राम पंचायतों की 50,000 से भी ज्यादा महिलाओं और किशोरियों अभियान से जुड़ी सभी अपने क्षेत्र में खुलकर सामाजिक कार्यों के साथ महिलाओं को सेनेटरी नैपकिन बांटने वीडियो प्रदर्शन पोस्टर प्रदर्शन हस्ताक्षर अभियान आदि से महावारी के दौरान भ्रांतियां दूर करने के साथ स्वच्छता की जानकारी दे रही है।

'किशोरी के मासूम सवाल से मिली प्रेरणा' सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली बालिका ने काउंसलिंग के समय मनीषा को यह लाल दाग कैसे लगा? कहीं में मर तो नहीं जाऊंगी ? जैसे सवालों ने झकझोर दिया मनीषा ने बानसूर ब्लॉक की स्कूलों में जाकर बालिकाओं को महावारी, इस दौरान रखने वाली सावधानियों, सेनेटरी पैड के उपयोग की जानकारी दी इस पर जागरूकता के लिए नेहरू युवा केंद्र के युवा जागृति महिला मंडल एवं नारी शक्ति फेडरेशन के साथ मिलकर स्त्री स्वाभिमान अभियान शुरू किया गया

'राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अभियान के लिए किया पुरस्कृत' उत्कर्ष स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के अभियान की प्रशंसा करते हुए अलवर शक्ति अभियान के दौरान बानसूर के ब्लॉक स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में बानसूर विधायक महोदय एवं 19 जनवरी 2020 को मुख्यमंत्री महोदय ने शासन सचिवालय जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कृत किया इसके अतिरिक्त 27 जनवरी 2018 को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण भारत में महिलाओं युवा लड़कियों के लिए चुप्पी तोड़ो स्यानी बनो कार्यक्रम एवं स्त्री स्वाभिमान, महिलाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के लिए अनोखी पहल करने पर केंद्रीय न्याय एवं कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद जी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया था।

समाज की युवा महिला द्वारा समाज में फैली भ्रातियों के प्रति बालिकाओं एवं ग्रामिण अंचल की महिलाओं को जाग्रत करने के साथ ही स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की अनुठी मिसाल पेश कर सभी की प्रेरणा स्त्रोत बनी हैं हम मनीषा देवी का हार्दिक अभिनंदन करते हुए उनको हार्दिक बधाई प्रेषित करते है। आप आज की युवा पीढ़ी के लिए रॉल मॉडल है आप पर समाज को गर्व है।

मृत्यु भोज न कर गौ सेवा का अनूठा अनुकरणीय सेवा कार्य किया

पीपाड । शहर में पपुराम जगदिश मारोठिया ने अपने माता स्व. अच्चादेवी स्व. श्री पुखराम मारोठिया के पत्नी के देहांत पर मृत्यु भोज की प्रथा को बंद करते हुए तथा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्णय को मानते हुए आज दिनांक 5.3.2021 को अपने मारोठिया सपरिवार मिल कर के आज गंगा जी रवानगी पर गोशाला में गो सेवा के लिए (1,51, 000/-) एक लाख एकावन हजार रुपये गिोशाला में दान दिये।

इसके साथ ही ओढावनी प्रथा (थाली माडणा) बन्द की इससे समाज मे एक अच्छा सन्देश जायेगा तथा अच्छी मिसाल पेश होगी । इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मिसाराम सांखला, ठे. हापुराम मारोठिया, ठे.सुगनाराम मारोठिया, हेमाराम, ओमप्रकाश, पेमाराम, मांगीलाल, बंशीलाल मारोठिया, ठे.जीवराज मारोठिया, शंकर लाल मारोठिया, पार्षद प्रतिनिधि जेठाराम मारोठिया, बंशीलाल सांखला, बाबूलाल, भंवरलाल, मलाराम, बुधराम, भगावन, हड़मान ओगड़ राम, झुमराम, कालूराम मारोठिया एवम समस्त मारोठिया परिवार का समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने परिवार का बहुमान किया।

सीकर, रामपुरा की सरिता सैनी ने जूडो में बनाई अंतरराष्ट्रीय पहचान

सीकर। घुंघट की ओट में रहने वाली महिलाएं जब खुले आकाश में परिंदे की तरह विचरण कर पहचान कायम करती है तो अपने परिवार व समाज का सिर फक्र से ऊंचा कर देती है ऐसी ही कहानी है खंडेला पंचायत समिति के रामपुरा गांव की रहने वाली 23वर्षीय सरिता सैनी की हे जिसने महिला उत्थान की ओर कदम बढ़ाते हुए 200 बालिकाओं को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग देकर जूडो में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान कायम की है।

सरिता सैनी वर्ष 2016 में सीकर जिला जूडो संघ में महासचिव के पद पर रही उसके बाद जूडो कोच के पद पर रहते हुए सीकर जिला ओलंपिक में बतौर सदस्य के रूप में सेवा दी। सरिता सैनी की उपलब्धि जूडो में ब्लैक बेल्ट व योगा में फिटनेस कोच है। जिसने 10 बार राज्य स्तर पर विश्वविद्यालयी व ओपन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर मेडल प्राप्त किए और 10 बार ही राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लिया। सैनी की शिक्षा की बात करे तो 2017 में राजस्थान विश्वविद्यालय से कला संकाय से स्नातक किया है उसी वर्ष में पटियाला की नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टिट्यूट अश्वफ स्पोर्टस से 6 सप्ताह का जूडो कोर्स करके प्रमाण पत्र प्राप्त किया है वर्ष 2020 में ग्वालियर की लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन में एनआईएस जुडो का प्रमाण पत्र हासिल किया है।

सरिता सैनी अब तक 30 विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभागी बनाकर 5 को मेडल दिलवा चुकी है। वर्ष 2018 में सरिता सैनी को राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल के द्वारा जूडो चौंपियन रहने पर 1 लाख 62 हजार की छात्रवृत्ति प्रदान की गई थी अभी हाल ही में इनके पास प्रशिक्षण प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर मेडल प्राप्त करने वाली साक्षी सैनी को 62 हजार और अनिल सैनी को 75 हजार रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। सरिता सैनी छ भाई बहनों में तीसरे नंबर की है जिसके पिता मजदूरी करते हैं व माता गृहिणी है। जिसके परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ ना होते हुए भी अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है।

वर्तमान में खंडेला कस्बे के पलसाना बायपास मार्ग पर स्थित विवेकानंद स्कूल में जुडो एकेडमी व रामपुरा गांव में जूडो सेंटर चलाकर विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दे रही है। हमें समाज की होनहार बेटी पर गर्व है जिसने विषम परिस्थितियों में भी अपने माता पिता व परिवार के साथ समाज को गौरवान्वित किया है हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

शेरगढ़ दुखांतिका की पहली बरसी पर माली समाज बालोतरा में आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

महिलाओं सहित 300 युवाओं ने किया रक्तदान, जनसेवा कर दी श्रद्धांजलि

बालोतरा। शेरगढ़ दुखांतिका की पहली बरसी पर माली समाज बालोतरा एवं कैलाश मेमोरियल क्लब के तत्वाधान में रविवार को माली समाज भवन गांधीपुरा में विशाल रक्तदान शिविर, वैदिक यज्ञ, अस्पताल में फल वितरण, गौशालाओं में चार गाड़ी चारा, बिमार पशुओं के लिए क्रेन एवं 4 वश्वटर फ्रीज तथा 15 पंखे गौशालाएं, स्कूल एवं संस्थानों में भेंट किए गए। कार्यक्रम के दौरान दान-पुण्य, धार्मिक, जनसेवा एवं सामाजिक सरोकार के साथ दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थनाएं की गई। संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन महंत नरसिंग दास महाराज के सानिध्य में किया गया।

26 महिलाओं सहित 301 युवाओं ने किया रक्तदान

रक्तदान शिविर में युवाओं एवं महिलाओं में उत्साह देखने को मिला। विशाल रक्तदान शिविर में माली समाज की 26 महिलाएं और 301 युवाओं ने रक्तदान में बढ़ चढकर भाग लेकर रक्तदान किया। रक्तदान करने युवाओं व महिलाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उत्साहवर्धन किया गया। माली समाज के युवाओं ने इतनी बड़ी तादाद में रक्तदान कर मानवता और जनसेवा की अनूठी मिसाल कायम की। महिलाओं ने औद्योगिक नगरी के इतिहास में पहली बार आगे बढकर बड़ी संख्या में रक्तदान किया। रक्तदान शिविर के दौरान शाम तक करीब 300 यूनिट से अधिक रक्तदान किया गया।

वैदिक यज्ञ में दी आहूतियां

शांति एवं विश्व कल्याण के लिए माली समाज भवन में सुबह 9 बजे आर्य समाज गांधीपुरा बालोतरा द्वारा वैदिक यज्ञ का आयोजन किया गया। वैदिक यज्ञ में पीड़ित परिवारों के साथ माली समाज के बंधुओं ने ऋगवेद के मंत्रोच्चार के साथ आहूतियां देकर विश्व कल्याण एवं पुण्य आत्माओं की शांति कामनाएं की। हवन के दौरान आर्य राजेंद्र गहलोत व मांगीलाल पंवार के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ की पूर्णाहूति की गई।

वॉटर फ्रीज, पंखें और गौशालाओं में चारा किया दान

माली समाज व कैलाश मेमोरियल के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 4 वॉटर फ्रीज राघवदास आश्रम, माली न्याति बगेची उम्मेदपुरा, भीमगोड़ा स्कूल एवं बालिका विद्यालय बालोतरा में भेंट किए गए। वहीं 15 पंखें, बीमार गौवंश के लिए क्रेन, एवं गौशालाओं में गौवंश के लिए 4 गाड़ी चारा दान किया गया। समाज के युवाओं ने शहर के विभिन्न अस्पतालों में मरीजों कों फल वितरण कर मानवता की मिसाल कायम की।

इनकी रही उपस्थित

इस अवसर पर माली समाज विकास समिति अध्यक्ष बाबूलाल गहलोत, सभापति सुमित्रा जैन, उप सभापति हेमलता सुंदेशा, पूर्व सभापति महेश बी चौहान, पंचायत समिति प्रधान भगवतसिंह जसोल, सरपंच चौनकरण कनाना, पार्षद महेश पंवार, महावीर माली, नेनाराम सुंदेशा, भजन गायक प्रकाश माली, समाजसेवी मंगलाराम टांक, सुजाराम सुंदेशा, उमाराम गहलोत, सांवलचंद पंवार, माणक गहलोत, केवलराम परिहार, महात्मा ज्योतिबा फूले संस्थान अध्यक्ष मोतीलाल सांखला, पूर्व पार्षद चंपालाल सुंदेशा, अणदाराम गहलोत, वागाराम पंवार, अशोक कच्छवाह, मधुकर परिहार, माली समाज महिला मंडल अध्यक्ष भगवती पंवार, हरीश सोलंकी, मोतीलाल सुंदेशा, श्याम सुंदेशा, गणपत पंवार, पंकज परिहार, एडवोकेट अमृतलाल परिहार, नाथूलाल सोलंकी, महेंद्र पीपाड़, चंपालाल फालना, विशनाराम कसीप, चेनाराम माली कनाना, मुकेश पंवार, गजेंद्र पंवार, मुकेश गहलोत, सुरेश गहलोत, अशोक पंवार, नाथू पंवार, दिलीप माली, गौतम सोलंकी सहित बड़ी संख्या में माली समाज के प्रबुद्धजन मौजूद थे।

कृतज्ञ राष्ट्र ने

माता सावित्री बाई फूले

की पुण्यतिथि पर विभिन्न आयोजन कर किया नमन

बागड़। राष्ट्र की प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की 124 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया। राजस्थान विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय व महात्मा ज्योतिबा फुले विचार मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी हरिसिंह सांखला थे। अध्यक्षता विद्यालय के निदेशक व मंच संरक्षक महेन्द्र शास्त्री ने की। पंचायत समिति सदस्य दिनेश कायस्थपुरा, समाजसेवी कृष्णा सैनी इस्लामपुर, पूर्व पार्षद बाबूलाल सैनी विशिष्ट अतिथि थे। सावित्रीबाई फुले के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पांजलि से कार्यक्रम का श्रीगणेश किया गया। मंच सह कोषाध्यक्ष श्री राधेश्याम सैनी ने स्वागत भाषण और सावित्रीबाई फुले की जीवनी पर प्रकाश डाला। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि सावित्रीबाई फुले ने समाज सुधार, शिक्षा, सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध जीवन पर्यन्त संघर्ष किया। दलितों, शोषितों, निराश्रितों तथा वंचितों के लिए विद्यालय स्थापित कर भारत में महिला शिक्षा की अलख जगाई। पूना में आए भयंकर प्लेग से बीमारों की सेवा करते हुए उनका देहांत हुआ। वक्ताओं ने फुले दम्पत्ति को भारत रत्न देने की मांग पुरजोर से की। कार्यक्रम का संचालन मंच के मीडिया प्रभारी नरेश सैनी ने किया। सभा में श्री मनोज सैनी, कुलदीप बागडी, महेन्द्र सिंह राठौड, इंजि मुकेश सैनी, दयानंद सैनी, दुर्गादत्त सैनी, संदीप सैनी, मंच उपाध्यक्ष रोहिताश्व सैनी, दिनेश जांगिड, कैलाश सैनी, महेन्द्र टेलर, सुरेन्द्र अन्नपूर्णा, कृष्ण टेलर, दयाशंकर, सुरेश मुन्ना, सुनील चान्दोलिया सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कोटा। श्री मंगेश्वर महादेव व्यामशाला छावनी में माां सावित्री फुले के पुण्यतिथि के अवसर पर कोटा शहर के प्रबुद्जन, सर्व समाज द्वारा मां सावित्री फुले की पुण्यतिथि के अवसर पर दीप प्रज्वलित के साथ पुष्प समर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर समाजसेवी डॉक्टर दुर्गा शंकर सैनी, श्री मंगलेश्वर व्यामशाला के गुरु नाथूलाल पहलवान, अध्यक्ष नरेंद्र मेघवाल, ओबीसी विकास मंच के महामंत्री पुरुषोत्तम अजमेरा, पूर्व पार्षद जगदीश मोहिल,अभिषेक सुमन अध्यक्ष वी. डी. आर. एस. विकास समिति, अभिषेक सुमन, नरेंद्र नागर, राजेश गोचर भानु पहलवान महेंद्र, सहित अनेक प्रबुद्धजन शामिल हुए डॉ सैनी ने मां सावित्री के समाज सुधार कार्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। आज से 200 वर्ष पूर्व मां द्वारा विपरीत परिस्थितियों में शिक्षा की अलख जगाई विद्यालय खोलें भारत प्रथम महिला अध्यापिका बनी, नारी उत्थान, जब शिक्षा को पाप समझा जाता था तब मां सावित्री फुले द्वारा उनसे मुकाबला करते हुए महिला शिक्षा शुरू की मां द्वारा प्लेग में भी लोगों की सेवा की और उस सेवा के दौरान उनका देहांत हुआ। सावित्री बाई ने अपना सम्पूर्ण जीवन विश्व मानव कल्याण की सेवा के लिए समर्पित कर दिया और अपना जीवन भी समाज सेवा करते हुए त्याग दिया यही शिक्षा की देवी की बलिदान था। इस अवसर पर सर्व समाज को शेक्षणिक,आर्थिक सामाजिक स्तर पर शक्ति प्रदान कर समाज व राष्ट्र का निर्माण में योगदान करने का संकल्प लिया गया।

उज्जैन। माली- समाज उज्जैन द्वारा भारत की प्रथम महिला शिक्षिका एवं महात्मा फुले की धर्मपत्नी सावित्री देवी फुले की 124 वीं पुण्यतिथि हर्षोल्लास से मनाई गई। सर्वप्रथम माली समाज की वरिष्ठ महिलाओं द्वारा सावित्री देवी फुले के चित्र पर पुष्प माला, पुष्प अर्पण के साथ ही दीप प्रज्वलन किया गया, पश्चात श्रीमती फुले के जीवन पर प्रकाश डाला श्रीमती शिव कांत परमार एवम कुमारी वेदिका चौहान ने । संबोधन में शिवनारायण जागीरदार एवं किशोर भाटी शिक्षक ने कहा कि आज से 150 वर्ष पूर्व जब महिलाओं को पाठशाला जाना वर्जित था ऐसे समय में श्रीमती फुले ने अध्यापन करने के साथ ही महिलाओं व बालिकाओं के लिए विद्यालय खुलवाएं। कार्यक्रम का संचालन श्री गजानंद रामी ने किया व आभार श्री अशोक परमार ने माना।

इस अवसर पर संयोगिता रामी, लक्ष्मीबाई रामी, विनीता चौहान, सरला बारोट, गायत्री हारोड़, नितिशा बारोट, कमलाबाई डोडिया, कांता बारोड, विद्या देवी, सावित्री हारोड, लक्ष्मीबाई रामी, नीता चौहान, कीर्ति चौहान सहित शिवनारायण जागीरदार, ओमप्रकाश हांरोड, मांगीलाल राजनोंद, भगवानलाल रामी, हेमराज बारोट, पवन बारोट, कौशल रामी सहित समाज जन मौजूद थे।

गौसपुर। आज राजापाकर प्रखंड अंतर्गत गौसपुर बरियारपुर पंचायत के अहियाई गांव में सामाजिक क्रांति के महानायिका,भारत के प्रथम शिक्षिका राष्ट्रमाता सावित्रीबाई फुले की 124 वी पुण्यस्मृति कार्यक्रम युवा समाजसेवी अजय मालाकार के नेतृत्व में आयोजित की गई। उपस्थित शिक्षाविद,समाजसेवी, बुद्धिजीवियों लोगों ने माता सावित्रीबाई फुले के जीवनी पर प्रकाश डाला। मौके पर उपस्थित लोगों ने सर्वप्रथम शिक्षा के जन्मदाता माता सावित्रीबाई फुले के तैल चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अजय मालाकार ने कहा कि नारी शिक्षा के जनक, माता सावित्रीबाई फुले ने अपना पूरा जीवन नारी उत्थान, दलित, शोषित एवं वंचितो के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया और उन्होंने 1848 में प्रथम महिला

विद्यालय की स्थापना की। अगर किसी भी क्षेत्र में महिलाओं आगे बढ़ रही है उनकी देन माता सावित्रीबाई फुले है, उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस मौके पर सभी उपस्थित लोगों ने केंद्र सरकार से भारत के प्रथम शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले को भारत रत्न से सम्मानित की जाए एवं 3 जनवरी को शिक्षिका दिवस के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर मनाएं जाए की मांग की। विचार प्रकट करने में मोहन भगत, विशुनदेव भगत, मोहन मालाकार, परम शिला देवी, रत्नेश भगत, प्रेम भगत, शत्रुघन भगत, लक्ष्मी भगत, सुमित्रा देवी, निर्मला देवी, सुनैना देवी, अनीता देवी, संगीता देवी, संजू देवी, पूजा कुमारी, मुस्कान कुमारी, गुड़िया कुमारी, अजय कुमार, आभा देवी सहित अनेक लोग शामिल हुए।

इस अवसर पर संयोगिता रामी , लक्ष्मीबाई रामी, विनीता चौहान, सरला बारोट, गायत्री हारोड़, नितिशा बारोट, कमलाबाई डोडिया, कांता बारोड, विद्या देवी, सावित्री हारोड, लक्ष्मीबाई रामी, नीता चौहान, कीर्ति चौहान सहित शिवनारायण जागीरदार, ओमप्रकाश हांरोड, मांगीलाल राजनोंद, भगवानलाल रामी, हेमराज बारोट, पवन बारोट, कौशल रामी सहित समाज जन मौजूद थे।

जबलपुर। ऑल इंडिया माली सैनी महिला सभा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कल्पना सैनी एवं अखिल भारतीय माली समाज पनागर जिला जबलपुर में देश की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की 124 वीं पुण्यतिथि महिलाओं का सम्मान एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और महिला पुलिस कर्मियों का सम्मान कर पुण्यतिथि मनाई गई विशेष रूप से आयोजन में ऑल इंडिया माली सैनी महिला सभा प्रदेशअध्यक्ष श्रीमती कल्पना सैनी, श्रीमती माया , श्रीमती पार्वती, श्रीमती पुष्पा सहित अन्य महिला उपस्थित सभी महिलाओं ने संकल्प लिया की माता सावित्रीबाई फुले के कार्यो को जन जन तक पहुंचा का देश की प्रत्येक बालिका को शिक्षित किया जाएगा उन्होंने विशेषकर माली समाज की बहनों से निवेदन किया कि सभी अपने अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाए ताकि एक महिला शिक्षित होगी तो दो परिवार शिक्षित होगा माता सावित्रीबाई फुले को कोटि-कोटि नमन पुण्यतिथि पर सादर नमन।

भोपाल। आज देश की पहली महिला की शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित ंमहात्मा फूले भवन में महिलाओं का सम्मान किया गया संयुक्त माली समाज के प्रमुख पदाधिकारी राम नारायण चौहान, गजानंद भाटी, राजेन्द्र अम्बाडकर, हरिसिंह सैनी, महेश मात्रे, डॉ आर. सतपुते, रामलाल बदौलिया, विट्ठल राव, राजेंद्र अम्बाडकर रामचरण माने, कृष्णगोपाल कश्यप, सुख देव कश्यप, मधु अम्बाडकर आदि उपस्थित थे दिनेश सैनी ने संचालन किया।

अलवर। भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले जी की 124 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज दिनाँक 10 मार्च को प्रात: काल 10 बजे तुलेड़ा रोड़ स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले विद्या आश्रम (छात्रावास) परिसर में स्थापित माता सावित्री बाई फुले एवं महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि और विचार गोष्ठी कार्यक्रम में शामिल हो कर समाज के गणमान्य लोगों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राष्ट्रीय सैनी सभा के प्रदेश अध्यक्ष मनोहर लाल सैनी, अलवर नगर परिषद की पूर्व सभापति एवं महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष श्रीमती कमलेश सैनी, जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव महेंद्र सैनी , सैनी छात्रावास समिति के अध्यक्ष राम प्रसाद सैनी, छात्रावास समिति के संरक्षक मनमोहन सैनी, छात्रावास समिति के कोषाध्यक्ष राम रतन सैनी, समिति से रेवड़ राम, प्रभाती लाल, रामपाल, राष्ट्रीय सैनी सभा से संयोजक राजेंद्र सैनी, एटीएल संवाददाता भगवान सैनी और वरिष्ठ समाज जन एवं छात्रावास के स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

अजमेर । माता सावित्री बाई फुले महिला सैनी संस्थान, तोपदड़ा, अजमेर के तत्वावधान मे सभी महिला सदस्यों द्वारा 10 मार्च 2021 को मां सावित्री बाई फूले की 124 वीं पुण्यतिथि बनायी । संस्थान की अध्यक्षा शारदा मालाकार व मुख्य अतिथियो द्वारा पुष्पांजलि व माल्यार्पण का कार्यक्रम तोपदड़ा मे पटेलनगर स्थिति नामदेव धर्मशाला में शाम 5.00 बजे रखा गया । जिसमें सभी महिलाओ मे पधाधिकारी, सदस्यगण जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद ने माता सावित्रीबाई फुले के चित्र पर दीपदान,पुष्पांजलि व माल्यार्पण अर्पित कर याद किया।जहां उपस्थित जनसमूह ने नारे लगाये। नारो मे... माता सावित्रीबाई फुले... अमर रहे...अमर रहे। ...जबतक सुरज चांद रहेगा,... माता तेरा नाम रहेगा।...सभी वक्ताओं ने एक सूर मे फुले दम्पत्ति को भारत सरकार से 'भारतरत्न' दिलाने की मागं की।

सभी वक्ताओ ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला व किये गये जनकल्याणकारी कार्यो की चर्चा की।नयी युवा पीढ़ी उनके योगदान से अवगत कराया । सभी ने उनके बताये मार्ग पर चलने का प्रयास करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम प्रशानिक गाईड लाईन को ध्यान मे रखते हुये नो मास्क-नो एन्ट्री रखी गयी हैं।कोरोना महामारी के प्रति जागरूकता की जानकारी भी दी गई ओर सावधानी रखते हुये कार्यक्रम किया गया।इस अवसर पर शारदा मालाकार, पुनम तंवर, सुलोचना कच्छावा, राधा चौहान, दिपीका चौहान, पिर्की गहलोत, माया चौहान उपस्थित थी। पुरुषों मे त्रिलोक चन्द्र इन्दौरा, गोपी चन्द्र जादम, अजय तुनवाल, प्रदीप कच्छावा, अब्बास भाई, चन्द्र शेखर मोर्य, श्यामलाल चौहान, हेमेन्द्र सिगोदिया उपस्थित थे।

इसके साथ ही सावित्री बाई फुले राष्ट्रीय जागृति मंच अजमेर के तत्वावधान मे माता सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नाम बुधवार को अजमेर कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित को अलग-अलग ज्ञापन सौंपकर लड़कियों और समाज के बहिष्कृत हिस्सों के लोगों को शिक्षा प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभाने वाली भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा हर गर्ल्स स्कूल व कॉलेज में स्थापित की जाये तथा महात्मा ज्योतिबा फुले व सावित्री बाई फुले को 'भारत रत्न' से नवाजे जाने की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया है कि फुले दंपती ने बेसहारा स्त्रियों के लिए एक आश्रय स्थल की स्थापना 1864 की और सभी वर्गों की समानता के लिए संघर्ष करने वाले ज्योतिराव फुले के धर्मसुधारक संस्थान सत्यशोधक समाज (1873) का विकास करने में अहम भूमिका निभाई। उनके जीवन को भारत में स्त्रियों के अधिकारों का प्रकाश स्तंभ माना जाता है। उन्हें अक्सर भारतीय नारी आंदोलन की जननी के रूप में जाना जाता है। सावित्री बाई फुले ने अपना संपूर्ण जीवन दलितोंत्थान को समर्पित कर दिया। उनके अनुकणीय योगदान को कभी बिसराया नहीं जा सकता। इस अवसर पर संयोगिता रामी , लक्ष्मीबाई रामी, विनीता चौहान, सरला बारोट, गायत्री हारोड़, नितिशा बारोट, कमलाबाई डोडिया, कांता बारोड, विद्या देवी, सावित्री हारोड, लक्ष्मीबाई रामी, नीता चौहान, कीर्ति चौहान सहित शिवनारायण जागीरदार, ओमप्रकाश हांरोड, मांगीलाल राजनोंद, भगवानलाल रामी, हेमराज बारोट, पवन बारोट, कौशल रामी सहित समाज जन मौजूद थे।

5हजार धावकों को हरा अमेरिका में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी सफलता के झंडे गाड़े युवा हरिकेश मौर्य ने पिता ने अपने बेटे के सपने को पूरा करने के लिए बेची पुश्तेनी जमीन। नेशनल गेम्स में 4 स्थान किया था प्राप्त।
उसकी कामयाबी और परिणाम पर अमेरिका ने दी स्कॉलरशिप।
हमें गर्व है समाज के युवा हरिकेश मौर्य पर आने देश के साथ ही माता पिता और समाज को विश्व स्तर पर किया है गौरवान्वित हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

हरिकेष सैनी

अमेरिका में फहराया जीत का परचम जीता गोल्ड मेडल

गोरखपुर। जिंदगी की असली उड़ान बाकी है जिंदगी का कई इम्तेहान अभी बाकी है, अभी तो नापी है मुट्ठी भर जमीन हमनें, अभी तो सारा आसमान बाकी है। कुछ ऐसा ही जज्बा लेकर अपनी किस्मत का तारा चमकाने निकले मैराथन धावक हरिकेश ने कोरोना संक्रमण काल के बाद अमेरिका में हुए पहले मैराथन दौड़ में जीत का परचम लहराते हुए पहला स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। ओलम्पिक में भारत के लिए मेडल लाने का सपना लिए अमेरिका के टेक्सास में तैयारी कर रहे हरिकेश ओलंपिक से पहले अमेरिका में होने वाले सभी रिकॉर्ड अपने नाम करने की तैयारी में है। क्रांतिकारियों की धरती चौराचौरा के एक छोटे से गांव अहिरौली के रहने वाले हरिकेश देश के लिए कुछ बेहतर करने का अरमान लेकर गांव की पगडंडियों से दौड़ते हुए अमेरिका तक पहुंच गए। जापान में होने वाले ओलंपिक में भारत को मेडल दिलाने का सपना लिए अमेरिका के टेक्सास में तैयारी कर रहे हरिकेश को किसी तरह की सरकारी मदद नहीं मिली है। बावजूद इसके तमाम परेशानियों से जूझने वाले हरिकेश ने परेशानियों को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और अमेरिका में जीत का परचम फहरा कर अपने मजबूत हौसले का आगाज किया है। इस दौड़ को जीतकर हरिकेश ने यह साबित कर दिया है कि उसके हौसलों के उड़ान को कोई भी बाधा रोक नहीं सकती। अमेरिका के टोयोटा में 27 मार्च को हुई इस 10किमी मैराथन दौड़ में हरिकेश ने अमेरिका के 28 वर्षीय धावक ड्रिपलार्ड सहित पांच हजार धावकों को पछाड़कर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया है। इस दौड़ में कई देशों के 5 हजार से ज्यादा धावकों ने भाग लिया। हरिकेश से फोन पर हुई बातचीत में बताया कि इस दौड़ में भाग लेने के लिए मुझे 13 घंटे बस में सफर करना पड़ा। बस से उतरने के बाद मैं रास्ता भटक गया। किसी तरह रात के दो बजे प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचा और दौड़ में भाग लिया। इस मैराथन में उसे नि:शुल्क एंट्री मिली थी। उसे बताया कि मेरी वर्तमान टाईमिंग बेहतर थी। इसलिए आयोजन समिति ने नि:शुल्क प्रवेश दिया था और मैनें आयोजन समिति के फैसले को सच करके दिखा दिया। कोराना काल के बाद अमेरिका को कई बड़ी कंपनियों ने मिलकर यह सबसे पहली प्रतियोगिता कराई। इस रैस को फिनिश करने में हरिकेश ने जो टाइम लिया उससे यदि भारत में ओलपिंक की तैयारी कर रहे धावकों से तुलना किया जाए तो हरिकेश उनसे काफी आगे है। हरिकेश ने बताया कि अगले पन्द्रह दिन बात एक और रेस होने वाली सभी रैसों का रिकार्ड अपने नाम कर अपने देश का नाम रौशन कर सकूं।

बालेसर में 51 युवाओं ने किया रक्तदान

जोधपुर। बालेसर में जय मां पार्वती देवी गंगाराम संस्थान द्वारा कोरोना आपातकाल में खून की कमी को पूरा करने हेतु नववां रक्तदान शिविर का आयोजन शिविर संयोजक जेनाराम सांखला की अगुवाई में किया गया जिसमें 51 युवाओं ने रक्तदान किया।
अरविंद कच्छवाह ने बताया कि इस मौके पर श्री श्री 1008 पूज्य महाबलवीरगिरी, रामद्वारा महंत रामरतन महाराज, एम्स अस्पताल के सीनियर हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ सुरेन्द्र देवड़ा, एयरफोर्स ऑफिसर मदनलाल देवड़ा, सरपंच रेवताराम सांखला, समाजसेवी लाखाराम सांखला, जेठाराम सोलंकी, हरीश सांखला, महेन्द्र भाटी, मुकेश सांखला, प्रकाश गहलोत, जय सांखला, दीपाराम सांखला, रामसा सांखला, जेताराम, भागीरथ, शेरसिंह, दिनेश गहलोत, दुर्गाराम टाक, विजय, नवीन, विवेक सांखला, श्रवण सोलंकी, विकास सांखला, मनीष, रमेश गहलोत, युविक सांखला आदि समजसेवी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पैरा तैराकी में पूरण, कंचन और पिंटू ने पदक जीत दिव्यांगता को दी मात

बैंगलोर। हाल ही में 20वीं राष्ट्रीय पैरा स्वीमिंग चौम्पियनशिप 2021 में समाज के तीन दिव्यांग युवाओं ने पदक जीते। इस प्रतियोगिता में पुरण माली ने 50 मीटर ब्रेकस्ट्रोक में गोल्ड मेडल, 50 मीटर फ्री स्टाइल में सिल्वर मेडल, 100 मीटर फ्री स्टाइल में सिल्वर मेडल जीता। अनेकों राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय प्रतियोगताओं में सेकड़ो पदक जीतने वाली किरण टाक द्वारा 3 स्वर्ण पदक और और पिंटू गहलोत के कांस्य पदक जीत अपनी योग्यता साबित की। हम सभी समाज के तीनों दिव्यांग तैराकों पूरण माली, किरण टाक और पूरण पिंटू गहलोत के साथ ही राजस्थान टीम कोच शेरा राम परिहार को हृदय से आभार प्रकट करते है एवं सभी विजयी युवाओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित करते है।

हादसे में हाथ खोने के बाद पिंटू गहलोत ने हिम्मत नहीं हारी और तैराकी में बनाएं अनेकों रेकार्ड :

जोधपुर। 13 वर्ष की आयु में ही सड़क हादसे में अपना एक हाथ खो देने के बाद भी समाज के युवा पिंटू गहलोत ने हिम्मत नहीं हारी और तैराकी में अपनी प्रतिभा से खिलाड़ी के रूप में विशेष पहचान बनाई। बचपन में ही हाथ नहीं होने पर कोई हताश हो जाता है लेकिन पिंटू ने उस समय शारीरिक विकलांगता के मिथक को तोड़ते हुए खिलाड़ी बनने की ठानी बचपन में जोधपुर के चौखा गांव की नाड़ी तालाब में तैरते अठखेलियां करने वाला पिंटू हाथ गंवाने के बाद भी तैराकी करने से नहीं रूका और तैराकी को ही अपने कैरियर के रूप में चुनने की ठान ली। करीब 7 सालों तक कड़ी मेहनत करने के बाद उनकी मेहनत रंग लाई और जोधपुर के स्टेट पैरा चैपिंयनशिप का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में 100मीटर बैक स्ट्रोक में व 500 मीटर फ्री स्टाइल में रजत पदक जीता इसके बाद पदकों के जीतने का सिलसिला जो शुरू हुआ वो आज दिन तक जारी है।

पिंटू गहलोत ने बताया कि 1998 में एक सड़क हादसे का शिकार हो गए सिटी बस व ट्रक की टक्कर में उनका हाथ कट गया अस्पताल में हाथ को कंधे के पास से काटना पड़ा करीब 10 दिन अस्पताल व महीनें भर घर में रहने के बाद वापस स्कूल की राह पकड़ी तो उनकी विकलांगता को लेकर लोगों ने कई बार ताने भी दिए इसके बाद भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी न ही हताश हुए नदी तालाबों में तैरते हुए तैराकी की तैयारियां करते रहे पिंटू ने तैराकी के साथ ही अन्य खेलों में भी अच्छा प्रदर्शन करना जारी रखा। तैराकी के साथ ही दौड़, भाला फैंक, तस्तरी, नौकायान आदि प्रतियोगिताओं में भी वो भाग लेते रहे। वो सामान्य वर्ग के प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेकर अपने बुलंद हौसले से जीतते रहे। इसके साथ ही उन्होंने तैराकी कोच के रूप में भी युवाओं को तैराकी सीखानी शुरू कर दी। उन्होंने राजस्थान पैरा सेविंग टीम के साथ कोच के रूप में 150 से भी अधिक खिलाड़ियों को तैराकी सिखाई और अनेकों तैराकों ने स्वर्ण पदक भी जीते ।

कुछ साल पहले पिंटू ने अपना स्विमिंग सैंटर खालो जिसमें उन्होंने निशक्तजनों को नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया। कुदरत ने इनके साथ एक और दृर्घटना घटित हुई पिंटू अपने स्विमिंग पूल की सफाई करते समय बिजली के तार के छू जाने के कारण दूसरे हाथ को भी डॉक्टरों के अनेकों प्रयास के बाद काटना पड़ा। पहले से ही एक हाथ से कार्य करने वाले पिंटू के लिए यह बहुत बड़ा आघात था। लेकिन कहते है ईश्वर ऐसे इंसानों को विलक्षण प्रतिभा के साथ भेजते है। पिंटू ने फिर भी हार नहीं मानी और दूसरा हाथ गंवाने के बाद भी अपनी तैराकी बंद नहीं की। 15 वर्षो में अब तक पिंटू ने राज्य स्तर की कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अनेकों पदक अपने नाम किए है। 2006 में प्रथम स्टेट पैरा तैराकी प्रतियोगिता में एक गोल्ड एक सिल्वर के साथ ही पैरा एथलेटिक्स में 6 गोल्ड व 2 सिल्वर वर्ष 2007 में पैरा नैशनल नौकायान चैपियनशिप में भी टीम इवेंट में एक गोल्ड और 2 किलो मीटर तैराकी प्रतियोगिता में 5वां स्थान प्राप्त किया। 2009 में नेशनल चैपिंयनशिप में चौथा स्थान 2010 में पैरा नेशनल प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में भाला व तस्तरी फैंक में गोल्ड। 2010 से लेकर 2015 तक ऑल इण्डिया चैपिंयनशिप में चौथा, पांचवा स्थान 2015 में प्रथम पैरा स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में गोल्ड, सिल्वर के साथ ही 2017 में भी स्पोर्ट्स विंग में तीन गोल्ड मेडल जीत चुके है। 2012 में गणतंत्र दिवस पर जिला स्तरीय सम्मान व गत वर्ष विकलांगता दिवस पर विशेष योग पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुके है। हाल ही में बैंगलोर में आयोजित नैशनरल पैरा स्विमिंग प्रतियोगिता में भी पिंटू गहलोत ने कांस्य पदक जीत अपनी योग्यता को एक बार फिर सिद्व किया।

इस खिलाड़ी के साथ ऐसी अनेक प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आर्थिक समस्याओं का भी सामना करना पड़ा अनेकों बार समाज के भामाशाहों एवं सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से वो प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए रूपयों की व्यवस्था कर लेते है। लेकिन अगर ऐसे होनहार खिलाड़ी को सरकारी सहायता प्राप्त हो जाएं तो यह समाज के साथ ही प्रदेश एवं देश को राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय स्तर पर अनेकों पदक जीता सकते है।

हाल ही में बैंगलोर में कांस्य पदक जीत कर आने पर पिंटू गहलोत को जोधपुर रेलवे स्टेशन से लेकर चौखा निवास स्थान तक भव्य जुलूस के रूप में अभिनंदन कर स्वागत किया गया। इसके अलावा अनेकों सामाजिक संगठनों एवं संस्थाओं के साथ ही प्रबुद्वजनों ने पिंटू गहलोत को सम्मानित कर उनका बहुमान किया। हम दिव्यांग पिंटू को हार्दिक बधाई प्रेषित करते है आपने अपने दोनों हाथों को खोने के बाद भी हिम्मत व जज्बें के साथ अनेकों कठिनाईयों का सामना करते हुए जो स्थान हासिल किया है उसके लिए आपका बारंबार अभिनंदन, हमें आप पर गर्व है और हम सभी आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

उत्कृष्ठ परिणाम प्राप्त समाज की 165 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

मन्दसौर। श्री फूलमाली चौखरा पंचायत समिति द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी समाज के प्रतिभाओं का सम्मान समारोह स्थानीय पशुपतिनाथ मंदिर प्रांगण स्थित श्री फूलमाली धर्मशाला में आयोजित किया गया। इस दौरान समाज के 165 बच्चों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता चौखरा पंचायत समिति के अध्यक्ष नन्दकिशोर पटेल ने की। इस अवसर पर पूर्व चौखरा पंचायत अध्यक्ष गोवर्धन पटेल, नंदराम उणियारा, घीसालाल गेहलोत, गंगाराम जाटव, चौखरा पंचायत के उपाध्यक्ष मांगीलाल चौधरी, सचिव गोपाल परमार, सहसचिव देवानंद उणियारा, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल विजवा, संगठन मंत्री बद्रीलाल देवड़ा, शिवराम देवड़ा मंचासीन थे।

सर्वप्रथम अतिथियों ने माँ सरस्वती व महात्मा ज्योति बा फूले के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में वर्ष 2019-20 में कक्षा 10वीं, 12वीं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रथम, द्वितीय, तृतीय छात्र-छात्राओं सिल्वर मेडल, प्रतीक चिन्ह व प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। साथ ही अन्य मेधावी छात्र, छात्राओं को प्रतीक चिन्ह व प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। मास्टर व बेचलर डिग्री सहित खेल प्रतियोगिताओं के मेधावी छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया। इसके साथ ही चोखरा पंचायत के उपाध्यक्ष मांगीलाल सौलंकी, गिरवरलाल माली, देवेन्द्र चौहान, पर्वतलाल विरपूरा द्वारा भी 10वीं, 12वीं के मेधावी छात्र-छात्राओं को अपनी ओर से भी सम्मानित किया।

इस अवसर पर शिक्षा समिति के सभापति राजेश महावर, सुरेश महावर, ऋषि विरपूरा चौखरा पंचायत के कार्यकारिणी सदस्य बद्रीलाल मोरी, प्रेमचन्द्र गेहलोत, बालाराम गेहलोत, सुरेश हामरिया, सोहनलाल मोरी सहित अनेक समाजजन उपस्थित थे। संचालन चौखरा पंचायत के कार्यकारिणी सदस्य भूपेन्द्र महावर ने किया एवं आभार चौखरा पंचायत के अध्यक्ष ने माना।

MPI - 4 की ट्रॉफियों ओर टी शर्ट का हुआ भव्य अनावरण

ब्यावर। माली सेना ब्यावर के तत्वावधान में आयोजित होने वाले माली सैनी समाज के युवाओं के टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता **MPI-4** की ट्रॉफियों ओर जर्सी (टी शर्ट) का भव्य अनावरण मालियान पंचायत शाहपुरा मोहल्ला भवन में आयोजित किया गया ।माली सेना प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश दगदी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ महावीर माली, भागचंद चौहान, रणजीत उर्फ कालू राम साँखला, पार्षद विकास दगदी, नरेंद्र सैनी, रमेश मारोठिया थे ।

माली सेना प्रदेश प्रवक्ता गोपाल चौहान और माली सेना ब्यावर अध्यक्ष जगदीश साँखला ने बताया कि क्रिकेट प्रतियोगिता में अब तक 15 समाज की टीमों ने अपनी एंट्री करवा दी है और आवेदन की 18 मार्च तक अंतिम दिनाक रखी गई है । प्रतियोगिता इस बार आम बाग बलाड़ रोड़ ब्यावर के मैदान में होगी।

जिसमे ब्यावर सहित रायपुर, पाली, किशनगढ़, बर, जेतारण, रियांबड़ी, सिलोरा की टीमो ने एंट्री करवा दी है। अनावरण कार्यक्रम का संचालन प्रतियोगिता सह संयोजक प्रकाश माली द्वारा किया गया ।

प्रतियोगिता संयोजक महेंद्र गहलोत ने बताया कि समाज की प्रतियोगिता को भव्य और आकर्षक रूप में किया जाएगा जिसमे विजेता टीम को विशाल ट्रॉफी ओर रू. 11000/-नगद दिए जाएंगे ओर सभी विजेता टीम के 11 खिलाड़ियों को तलवार भेंट की जाएगी उपविजेता टीम को रू. 5100/- ओर भव्य ट्रॉफी दी जाएगी। कार्यक्रम में माली सेना संस्थापक दिनेश भाटी, पूर्व अध्यक्ष लोकेश परिहार, राकेश दगदी, मनीष साँखला, नरेंद्र सैनी ने भी अपने विचार रखे।

वैदिक रीति रिवाज से सैनी समाज के 10 जोड़ों का हुआ पाणिग्रहण सम्पन्न

भरतपुर, 15 मार्च। महात्मा ज्योतिबा फुले माली समाज उत्थान समिति द्वारा सैनी समाज का 17 वा आदर्श सामूहिक विवाह समारोह सोमवार को आरबीएम अस्पताल के पीछे कम्पनी बाग प्रांगण में समाज के 10 जोड़ों का सामूहिक विवाह वैदिक रीति रिवाज एवं मत्रोच्चारों के साथ सम्पन्न हुआ। सामूहिक विवाह समारोह विशाल पण्डाल में आयोजित पं. सोनू पण्डा के नेतृत्व में अलग अलग वेदियों पर अग्नि फेरों के साथ सम्पन्न हुआ।

समारोह में मुख्य अतिथि तकनीकी, संस्कृत शिक्षा तथा चिकित्सा राज्यमंत्री डा. सुभाष गर्ग ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सामूहिक विवाह आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के लिये वरदान है। उन्होंने इसे पुनीत कार्य बताते हुए सभी 10 नवविवाहित जोड़ों के सफल एवं सुखद जीवन की कामना की। समारोह में विशिष्ट अतिथि कामां के हरिकृपा आश्रम के पीठाधीश्वर हरि चैतन्य पुरी ने कहा कि समिति द्वारा विगत 17 वर्षो से आयोजित सामूहिक विवाह समारोह के इस कार्यक्रम को हृदय से सराहना करते हुए अनुकरणीय एवं अनुसरणीय बताया।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से कुप्रथा, फिजूलखर्ची रोकने के साथ ही सामाजिक समरसता का भाव भी पैदा होता है। इस अवसर पर उन्होंने सरकार द्वारा जारी कोविड-19 की पालना हेतु सभी को मास्क लगाने की सलाह दी एवं कोरोना वॉरियर्स की सराहना की। उन्होंने सभी 10 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी। समारोह की अध्यक्षता पार्षद किशोर सैनी ने की।

इस अवसर पर समाजसेवी गिरधारी तिवारी ने समाज के युवा वर्ग का आव्हान करते कहा कि वे राष्ट्र उन्नति में आगे आयें। उन्होंने समिति के इस प्रयास को सराहनीय बताया एवं सभी नवविवाहित जोड़ों को आर्शीवचन दिया।

समारोह में दिल्ली से आये देवीलाल सैनी, डा.रामावतार, ग्यारसीलाल, जयभगवान सैनी, कुम्हेर नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष केदार सैनी, वैर के पार्षद मुकेश सैनी, बांकेबिहारी ट्रस्ट के जयप्रकाश गोयनका, सर्वेश सैनी, सेवानिवृत प्राचार्य प्रेमसिंह, मुरारीलाल सैनी, भजनलाल सैनी, खुशीराम सैनी, मदनलाल सैनी, ब्रजेश सैनी, नीरज सैनी, राजकुमार सैनी, गोपाल सैनी एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। समारोह में मौके पर ही नगर निगम द्वारा विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र तैयार करवाये गये।

इससे पूर्व आरबीएम अस्पताल से बारात की निकासी प्रारंभ हुई जो सीधे ही विवाह स्थल कम्पनी बाग पहुंची जहां वधु पक्ष के लोगों ने उनका स्वागत किया। समारोह में सभी जोड़ों को समिति की ओर से एलईडी टीवी, आलमारी, ड्रेसिंग टेबिल, कूलर, बैड गद्दा सहित, सोने-चांदी के पांच जेवर, लहंगा-फरिया, वर के 5 कपड़े एवं रसोई के विभिन्न प्रकार के 21 बर्तन भी भेंट स्वरूप दिये गये। अन्त में समिति अध्यक्ष एडवोकेट रामगोपाल सैनी ने सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि समिति ने अब तक 385 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया है।

महिला दिवस पर रक्तदान एवं उत्कृष्ट महिला सम्मान समारोह

जोधपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महामंदिर जोधपुर राजस्थान इंस्टिट्यूट ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर तथा उत्कृष्ट महिला सम्मान समारोह का आयोजन जोधपुर नगर निगम उतर की महापौर कुंती देवड़ा ने सावित्रीबाई फुले की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

महापौर कुंती देवड़ा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हम सब लोगों को महिलाओं के योगदान को भूलना नहीं चाहिए। आज हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही है तथा देश का नाम रोशन कर रही है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जोधपुर नगर निगम दक्षिण के महापौर वनिता सेठ उत्कृष्ट क्षेत्र काम करने वाले महिलाओं को सम्मानित करते हुए कहा है कि आज महिलाए हर क्षेत्र मे आगे बढ़ रही है मुझे खुशी हो रही है।

कार्यक्रम में राजसीको के पूर्व चेयरमैन सुनील परिहार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल सिंह लखावत, नेमीचंद पारीक, आरटीओ जोधपुर, राजेश गहलोत समाजसेवी, आर. पी. सिंह परिहार, बाबा रामदेव सेवा संस्थान के करण सिंह जी राठौड़, भाजपा जिला उपाध्यक्ष नीलम मूंदड़ा, सरवन राज सोलंकी, एसोसिएट प्रोफेसर जेएनयू, कर्नल नारायण सिंह इंदा, जय नारायण सांखला डायरेक्टर फल एवं सब्जी मंडी जोधपुर, कुलदीप सुरपुर पूर्व सचिव जेएनयू, रवि विश्नोई ज्ञान विहार क्लासेस, हेमंत चौधरी आदियोगी इन्फो. श्याम सुन्दर चौधरी करना राम मेहरड़ा सरपंच प्रोफेसर रामेश्वर लाल आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाज के युवाओं एवं अनंता योग एवं आयुर्वेद संस्थान के योगाचार्य श्याम भाटी एवं उनकी पुरी टीम का विशेष सहयोग रहा। इस संपूर्ण कार्यक्रम का मंच संचालन अशोक टांक बलरवा तथा सुधीर विश्नोई ने किया।

ऑल इंडिया माली सैनी सभा का खंडवा में बैठक एवं सम्मान समारोह आयोजित

खण्डवा। 18 मार्च गुरुवार को ऑल इंडिया माली सैनी सभा का जिला स्तरीय पदाधिकारी सम्मान समारोह एवं प्रथम भारतीय महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले पुण्यतिथि पर महिलाओं का समारोह खंडवा में आयोजित किया गया जिसमें अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश सैनी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती हर्षलता देवड़ा बुरहानपुर राष्ट्रीय सचिव मोहन पटेल, जावरा प्रदेश अध्यक्ष राजेश चौहान, विशेष अतिथि श्रीमती कल्पना सैनी प्रदेश अध्यक्ष महिला इकाई, श्रीमती बसंती देवी पटेल,पूर्व पार्षद जावरा थी । आयोजन का संचालन प्रदेश सचिव सुश्री विनीता सैनी ने किया। इस अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान पर विशेष जोर दिया गया साथी हरदा जिले से चाइल्ड वूमेन केयर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की पूरी टीम को कर्मवीर सम्मान से सम्मानित किया गया मुख्य रुप से अंकित मालाकार, बसंत मालाकार, भगत मालाकार, प्रमोद गौर, कपिल मालाकार, हरिओम मालाकार, शांतिलाल मालाकार, अजय मालाकार, गौरव मालाकार, सुनील एवं श्रीमती लक्ष्मी को सम्मानित किया गया कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में प्रकाश माली को सम्मानित किया गया बालिका शिक्षा एवं पर्यावरण के क्षेत्र में श्रीमती उषा कश्यप को सम्मानित किया गया महिला स्वरोजगार एवं प्रोढ़ शिक्षा के क्षेत्र में श्रीमती आशा माली को सम्मानित किया गया श्री समर्पण वेलफेयर सोसाइटी के क्षेत्र में सुश्री विनीता सैनी को सम्मानित किया गया सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र में मनोज सैनी को सम्मानित किया गया एवं सभी पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया गया। इस समारोह में जिला अध्यक्ष राजू बटुर, जिला सचिव राजेंद्र माली, उपाध्यक्ष नरेंद्र माली, सहसचिव राजकुमार माली, प्रचार मंत्री सुनील माली, मीडिया प्रभारी आकाश माली, संगठन मंत्री प्रदीप गौर को नियुक्ति पत्र दिया गया महिला अध्यक्ष श्रीमती आशा माली उपाध्यक्ष अनीता को सचिव सावता माली मीडिया प्रभारी रचना माली शहर सचिव श्रीमती सोनी माली को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश जी सैनी एवं महिला प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कल्पना सैनी 'समाज के लोगों उसके घर घर जाकर महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ाओ देने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया गया और महिलाओं की अलग से विशेष बैठक ली गई ताकि नारी शिक्षित होगी तो दो परिवार शिक्षित होंगे। अनुभव चंदेल (एडवोकेट, राजस्थान हाईकोर्ट) को महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

जिओ मेरे शेरों गोल्ड–सिल्वर–ब्रॉन्ज तीनों के तीनों जीत लिए

सिरसा। पश्चिम बंगाल में आयोजित वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में सिरसा हरियाणा का नाम रोशन करनें वाले तीनों युवाओं ने जीते मेडल्स जिसमें राहुल सैनी ने नेशनल गोल्ड मेडल ओर बरोन्ज दोनों जीते ओर उदित सैनी ने गोल्ड मैडल ओर गोरव सैनी ने सिल्वर मैडल जीत कर समाज के साथ प्रदेश का भी नाम रोशन किया।

हम तीनों विजयी खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं ओर बधाई देते हैं, आशा ही नही पूर्ण विश्वास है भविष्य में भी आप ऐसे ही उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज और देश को गौरवान्वित करेंगे।

ऑल इण्डिया सैनी सभा की प्रदेश कार्यकारणी की बैठक में राजकुमार सैनी को चुना प्रदेशाध्यक्ष

रूड़की। ऑल इण्डिया सैनी सभा उत्तराखण्ड प्रदेश की राज्य कार्यकारिणी की बैठक महानगर के एक होटल में आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से राजकुमार सैनी को ऑल इण्डिया सैनी सभा का उत्तराखण्ड प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजकुमार सैनी ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, उसे यह बखूबी अंजाम देगें। समाज की तरक्की के लिए प्रयास किए जाऐंगे। महानगर के एक होटल में आयोजित बैठक में सभा के प्रदेश अध्यक्ष महावीर सिंह सैनी ने अपने इच्छा से प्रदेश अध्यक्ष का पद छोड़ा। जिसके बाद बैठक में ही नये प्रदेश अध्यक्ष को लेकर काफी देर तक मंथन हुआ। लंबे चले मंथन के बाद राजकुार सैनी के नाम पर तमाम सदस्यों की सहमति बनी और इनके प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की घोषणा की गई। तय किया गया कि कार्यकारिणी प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में बनाई जायेगी। सभा को संबोधित करते हुए इंजीनियर विनय सैनी ने कहा कि 1955 में स्थापित ऑल इण्डिया सैनी सभा रजिस्टर्ड संस्था है तथा देश के अधिकत्तम प्रदेशों में सामाजिक हित के लिए कार्यों में अग्रसर है।पूर्व अध्यक्ष इंजीनियर महावीर सिंह सेनी ने लगातार 15 वर्षो तक समाज की सेवा में सराहनीय कार्य किया। उन्होंने नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में कर्णसिंह सेनी से आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वह समाज की सेवा व संगठन की मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिससे सैनी समाज उत्तराखण्ड की अपनी खोई हुई राजनीतिक व सामाजिक प्रतिष्ठा को पुन: वापस लाने का कार्य करेगा। सभा को संबोधित करते हुए चौधरी साहब सिंह सैनी पूर्व केबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने पूर्व अध्यक्ष की सराहना करते हुए कहा कि नए अध्यक्ष व जिला अध्यक्ष संगठन को मजबूत करेंगे तथा राजनीति व समाज में अपनी महत्वपूर्ण सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस मौके पर चंद्रभान सैनी, अरविंद सैनी, कर्मसिंह सैनी, सुभाष सैनी, ऋषिपाल सैनी, पंकज सैनी, ब्रह्मपाल सेनी सहित सैकड़ों प्रबुद्वजन और समाज के लोग मौजूद थे।

बेटी को बंधाई पिता की पाग

मुखाग्नि भी दी थी बेटी ने

मदनगंज किशनगढ़। हमारे समाज में अनेक ऐसी परम्पराऐं और रस्में हैं जो कभी कभी समाज और लोगों के लिए दुख का कारण बन जाती है। किन्तु जब समाज का कोई व्यक्ति ऐसी गलत परम्पराओं को हटाने की ठान लें तो उस समाज की उन्नति को कोई नहीं रोक सकता । ऐसी ही एक वाकया आज किशनगढ़ के गांधीनगर स्थित मालियों की ढाणी में माली समाज में घटित हुआ जिसकी चारों ओर प्रशंसा हो रही है। श्री फूलमालियान शिक्षण संस्था किशनगढ़ के अध्यक्ष बिरदीचन्द मालाकार ने बताया कि यहाँ निवास करने वाले जीतमल सैनी का आकस्मिक निधन होने पर उनकी बेटी प्रकृति सैनी के द्वारा अपने पिता की अर्थी को कंधा दिलवाने के साथ ही मुखाग्नि भी दिलवाई गयी थी। तथा मृतक के कोई पुत्र नहीं होने के कारण समाज की परम्परा के अनुसार पगड़ी की रस्म पर जहाँ समाज दुविधा में था वहीं अपने एकमात्र पुत्र के निधन से दुखी पिता व बादरसींदरी के पूर्व सरपंच बजरंग लाल माली ने हिम्मत दिखाते हुए न केवल अपने पुत्र के मृतयुभोज को करने से इंकार किया बल्कि पुत्र की पगड़ी अपनी पौत्री प्रकृति सैनी के बंधवा कर समाज में एक नजीर पेश की। यह नजारा देखकर हर कोई दुखी होने के साथ ही समाज की पुत्र सत्तात्मक व्यवस्था को भी नकारता हुआ प्रतीत हुआ। हालांकि अबोध बालिका प्रकृति सैनी अभी अपने कंधे पर आई जिम्मेदारी को समझने जितनी समझ नहीं रखती किंतु जब कभी भी उसे समझ आऐगी तब वह अपने और अपने दादा व खुद अपने आप पर गर्व अवश्य करेगी साथ ही समाज के लिए यह एक उदाहरण भी बनेगी। प्रकृति सैनी की पगड़ी की रस्म में पोतेदार मिठ्ठूराम सोलंकी, रतनलाल गहलोत, गणेश माली, रामेश्वर लाल माली, बजरंग लाल माली, जस्साराम सांखला सहित माली समाज के अनेक लोग मौजूद थे।

तू नारी है ...

कोई ताज नहीं कोई राज नहीं किसी एक दिन के त्यौहार की
नारी तू मोहताज नहीं तू नारी है।
तीनों लोक पर भारी है, तुम बिन त्रिदेव भी अधुरे है
तो ये अदने से मान कैसे पुरे है, तु ना होती तो कोई चित्रकार न होता
हिरणी सी चाल पर कौन रंग भाता
तु ना होती तो, कोई कवि न होता, मदमस्त आखों पर कौन शेर गढ़ता
तु न होती तो, अंधरी रात कौन चांद तकता
तु न होती तो, कौन ताजमहल गढ़ता
तु न होती तो, कोई त्यौहार न मनता
तु न होती तो, ना कोई ममता होती न दुलार होता
तु न होती तो, कोई खुमार न होता
तु न होती तो, कोई परिवार न होता
तु इस जग का आधार है
तुजसे ही पुरा संसार है
है नारी! तमी और आसमा की रौनके तुमसे
तु न होती तो, जिस्मों ओ जान का एहसास न होता

नारी दिवस की सार्थकता

क्या एक दिन मनाने से अखबारों में छापने से
बड़े-बड़े होर्डिग लगाने से, टीवी में विज्ञापन दिखाने से
क्या नारी दिवस सार्थक हो पाएगा?
एक दिन फ्री यात्रा करवानें से
ऑफिस में फूल माला पहनाने से
छोट मोटे उपहारों से
क्या नारी दिवस सार्थक हो पाएगा?
उसके सपनों को हकीकत करने से
उसकी उड़ान को पंख देने से
उसके हौसले का हिम्मत देने से
शायद नारी दिवस सार्थक हो जायेगा।
उसकी भावनाओं की कद्र करने से
उसके कानों में दो बोल मीठे कहने से
उसके हुनर और काम की तारीफ करने से
शायद नारी दिवस सार्थक हो जायेगा।
गिरता हो अगर साडी का पहलु
तो आँख नीची करने से
दूध पिलाएँ जो माँ कोई तो उसकी ढ़ाल बनने से
शायद नारी दिवस सार्थक हो जाएगा।
गर कपड़ों पर कसें ताना कोई
तो उसके गालों पर थप्पड़ हो जाये
भीड़ में जो जानकर छुए कोई
तो वो सिर से पैर तक लाल हो जाए
शायद नारी दिवस की सार्थक हो जाएगा।
गर बालात्कारी को सजा सरेआम हो जावें
घरेलु हिंसा पर आवाज उठ जाए
बच्ची से लेकर महिला तक सबको आत्मरक्षा आएं
तो शायद महिला दिवस सार्थक हो जायेगा।

प्रस्तुति :
श्रीमती दीपा टाक
जोधपुर

महाशिवरात्रि पर्व का भव्य आयोजन निकाली शोभायात्रा

पुष्कर। स्थानीय माली मंदिर में मालियान नवयुवक मंडल समिति की ओर से दो दिवसीय महाशिवरात्रि पर्व मनाया गया। महाशिवरात्रि पर प्रात: भोलेनाथ की सहस्त्र धारा एवं रुद्राभिषेक किया गया । दोपहर में भोलेनाथ की सवारी कस्बे के प्रमुख मार्गो से निकाली गई। सवारी पर की गई पुष्प वर्षा से कस्बे के मार्गो पर फूलों की चादर बिछ गई।

तत्पश्चात मंदिर परिसर में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री तथा प्रदेश कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती नसीम अख्तर इंसाफ, अध्यक्षता नगरपालिका पुष्कर के अधिशाषी अधिकारी अभिषेक गहलोत ने की। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तारा चंद गहलोत रहे। नवयुवक मंडल के अध्यक्ष टीकम चौहान ने सभी अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया तथा स्मृति चिन्ह भेंट किया। मुख्य यजमान अरविन्द महावर रहे तथा प्रसाद की व्यवस्था गोपाल भाटी की ओर से की गई।

इस अवसर पर बाबूलाल दग्दी जयनारायण दग्दी, सत्य नारायण भाटी, रुपचंद मारोठिया, अजय सैनी, मगनीराम अजमेरा, हनुमान प्रसाद सिंह सिंगोदिया, पुष्कर नारायण भाटी, सूरत दग्दी, नंद किशोर कुमार कुंवाल, संजय दग्दी, सुखदेव प्रसाद मारोठिया, राधेश्याम इंदौरा, राहुल उबाणा,आशीष तंवर, खेमचंद उबाणा, पवन टांक हरिशंकर चौहान, कैलाश चौहान धीरज जादम सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित रहे।

मोटर गैराज सर्विस सेंटर पर कार्यरत पिता के बेटे रोहित माली को कुश्ती में गोल्ड मेडल

बड़े सपने, बड़े विचार, बड़ा विश्वास, और बड़ा लक्ष्य, ही बड़ी कामयाबी, का आकार तय करता है। ऐसे ही दृढ़ संकल्पो को साकार कर दिखाया समाज का होनहार बेटा रोहित माली पुत्र शंभू माली (पारेता) आप भरतपुर में चल रही अंडर 17 मे 45 किलो-भार मे राज्य स्तरीय कुश्ती में गोल्ड मेडल प्राप्त कर राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता नोयडा के लिए चयन होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

आप के पिता मोटर गैराज सर्विस सेंटर पर कार्यरत है अपने व्यवसाय से समय निकालकर अपने बेटे को पहलवान बनाने के लिए दिन रात मेहनत कर रहे। उनके इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि बेटे को राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में चयन हुआ यह समाज के लिए बहुत ही गर्व की बात है।

माली युवा सेवा संस्थान व माली महिला मंडल की ओर से रोहित माली व उनके परिवार के साथ ही केशरी नंदन व्यामशाला के प्रशिक्षण कोच श्रीमान जगदीश जी जाट और बबलू गुर्जर को भी हार्दिक बधाई एंव शुभकामनाएं।

विकास खड़गावत गृह मंत्रालय द्वारा हुए सम्मानित

बीकानेर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस गृह मंत्रालय दिल्ली के द्वारा श्रीनगर थाना क्षेत्र कश्मीर में पोस्टेड रिजर्व पुलिस अधिकारी ने अपनी ईमानदारी के साथ बड़ी वीरता बहादुरी धैर्य पूर्वक कुशलतापूर्वक सूज भुज के साथ अपनी ड्यूटी का अंजाम देकर निश्चित हो देश के प्रति वफादारी के साथ सभी को सुरक्षित रखते हुए अपनी ड्यूटी का पालन किया इसी संदर्भ में राजस्थान श्रीगंगानगर बीकानेर के मूल निवासी माली सैनी समाज के विकास खडगावत साहब केंद्रीय रिजर्व पुलिस गृह मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा केंद्रीय डिप्टी कमांडेंट के द्वारा इमानदारी से ड्यूटी करने पर प्रशस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गय। माली समाज के युवा अधिकारी का अनेकों संस्थाओं द्वारा सम्मानित होने पर बहुमान किया गया।

भागचंद सैनी बने अध्यक्ष

भागचंद सैनी को निर्विरोध सैनी (माली) विकास संस्थान, सवाईमाधोपुर (रजि.) के जिला अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई अभिनंदन

निर्विरोध नवनर्वाचित कार्यकारिणी

1.अध्यक्ष - भागचन्द सैनी, मुई वाले
2.उपाध्यक्ष - रामकल्याण सैनी, छाण (खण्डार)
3.महामंत्री - कैलाश सैनी, मलारना डूंगर
4.मंत्री - राजेश सैनी,कॉन्ट्रेक्टर मण्डी रोड
5.कोषाध्यक्ष - उमाशंकर सैनी,आलनपुर

संतोष सांखला 9252067133 9414359805
नेमीचंद सांखला 9529551444
आ. पी. तंवर 9414117306

तंवर मार्बल
मूर्ति एण्ड हैण्डीक्राफ्ट

हमारे यहां मार्बल स्लैब, टाईल्स, मंदिर मूर्ति, जाली, पालकी, मार्बल फ्लॉवर व हैण्डीक्राफ्ट आदि का कार्य किया जाता है।

Marble Art (Android Apps on Gooble Play Store)
E-Mail : marbletanwar@gmail.com
शोरूम : सैनी कॉम्पलैक्स, 1 फ्लोर, शॉप नं. 40, रेल्वे स्टेशन के पास, मकराना (राज.)

सामुहिक विवाह सेवा समिति राजस्थान द्वारा महिलाओं ने फागोत्सव बनाया

होलीया मे उठे रे गुलाल..... । अवध मे होली खेले रधुवीरा.....

अजमेर। दिनांक14 मार्च, 2021 रविवार को मालियान (सैनी) पब्लिक स्कूल, अजमेर मे सामुहिक विवाह सेवा समिति राजस्थान के तत्वावधान मे प्रदेश अध्यक्ष पुष्पा सैनी के नेतृत्व मे महिलाओं ने फागोत्सव मनाया। सभी महिलाओं ने खाटू श्याम बाबा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी आरती व मंगल गीत गाये।बाबा खाटूश्यामजी के भजनों पर नृत्य किया। सभी महिलाओं ने सामुहिक नृत्य पेश किया। गुलाब के फुलो की पंखुड़ियों, हजारे व जाफरी के पत्तीयाँ से होली खेली। भजन गायिका पिर्की गहलोत ने शानदार व सुरीली आवाज में भजनों की प्रस्तुति दी सभी श्रोताओ को मंत्रमुग्ध कर नृत्य करने को मजबूर कर दिया।

महिला फागोत्सव मे अध्यक्ष पुष्पा सैनी, राधा चौहान, सुलोचना कच्छावा, अर्चना अजमेरा, लक्ष्मी तुनवाल, सरोज कच्छावा, बीना मारोठिया, राखी पंवार, सुमन टांक, मधु चौहान, सीमा चौहान, हर्षा सैनी, पूनम शर्मा,बीना शुक्ला इत्यादि उपस्थित थी।

भामाशाह स्वर्गीय बिरधी चंद सैनी की पुण्यतिथि मनाई

सवाई माधोपुर। महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान के तत्वधान में शनिवार को भामाशाह व समाजसेवी स्वर्गीय बिरधी चंद सैनी प्रथम पुण्यतिथि संस्थान के जिलाध्यक्ष कन्हैया लाल सैनी की अध्यक्षता में मनाई गई इस अवसर पर संस्थान जिलाध्यक्ष कन्हैया लाल सैनी ने भामाशाह समाजसेवी स्वर्गीय बिरधीचंद चंद सैनी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर संस्थान के जिला अध्यक्ष कन्हैया लाल सैनी ने कहा कि स्वर्गीय बिरधी चंद सैनी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहे उन्होंने हमेशा शिक्षा को महत्व दिया उनकी सोच थी जो समाज शिक्षा में अग्रणी होगा वही आज के इस दौर में आगे बढ़ सकता है संस्थान जिलाध्यक्ष सैनी ने कहा कि हमें सभी वर्गो को साथ में लेकर आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर मंगली देवी गंगाधर सैनी प्रधानाचार्य मंजू सैनी कैलाशी सैनी, मंजू यादव टीकम चंद सैनी, दामोदर प्रसाद सैनी, रामअवतार बैरवा, हरीश महावर, यशोदा महावर, सीताराम सैनी गणेश सैनी पप्पू लाल सैनी मदन सिंह आदि पुष्प अर्पित किया वह उनके जीवन पर प्रकाश डाला।

पटेल रामचंद्र बागड़ी को जावरा माली समाज द्वारा सम्मानित

जावरा। 31 मार्च को जावरा स्थित छोटा माली पूरा में समाजजनों द्वारा उज्जैन निवासी पटेल राम चन्द्र बागडी का उज्जैन तेलीवाड़ा धर्माशाला ट्रस्ट अध्यक्ष मनोनीत होने पर साफा पहनाकर माला पहनाकर ढोल ढमाके के साथ मिठाई खिला कर मुह मीठा कराया गया। रामचन्द्र पटेल विगत कई वर्षो से समाज की निस्वार्थ भाव से सेवा करते आ रहे हैं। पटेल का स्वागत आल इंडिया माली सभा के राष्ट्रीय सचिव मोहन पटेल के निवास पर किया गया स्वागत करने वालो में भेरूलाल पटेल खाचरोद, रमेश बड़ीवाल नागदा, डॉक्टर पीरूलाल सैनि जावरा, कैलाश पाटिल जावरा, राजकुमार सैनी दलौदा, तुलसीराम अजमेरा जावरा, सिंधु पहलवान नागदा, गोपाल मारोठिया रतलाम, पीरूलाल माली रतलाम, नंदू बागड़ी खाचरोद, दिलीप बिटरवाल उज्जैन, सुभाष पंवार उज्जैन, रमेश टाक जावरा, कैलाश सुइवाल जावरा, धनराज सैनी जावरा, रामलाल माली रतलाम, हुकमचन्द तराना, शंकर पटेल जावरा, मुकेश पिपलिया मंडी आदि समाजजनों ने रामचन्द्र बागड़ी पटेल का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संजय पटेल ने किया व अंत मे आभार कैलाश पाटिल जावरा ने माना।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

अजमेर मे हुये कुल 80 वार्ड मे नगरनिगम चुनाव-2021 के चुनावों मे माली समाज के छ:पार्षद चुन कर आये हैं। सभी पार्षदों को अजमेर माली समाज की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं व बधाइयाँ देते हैं। आप सभी 36 कोम के साथ-साथ माली समाज की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

वार्ड- 35 से श्रीमती भावना दिलावर चौहान (भाजपा) वार्ड- 45 से श्रीमती बीना बालमुकुंद टांक (निर्दलीय, कांग्रेस समर्थक)
वार्ड- 55 से रजनीश चौहान (भाजपा) वार्ड- 62 से नरेंद्र तुनवाल (निर्दलीय कांग्रेस समर्थक)
वार्ड - 64 से श्रीमती रिंकू महैन्द्र जादम (भाजपा) वार्ड - 72 से सुश्री प्रियंका सांखला (भाजपा)

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लाराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर
श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पूनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, जोधपुर
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,
श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री धरमाराम भाटी, अध्यक्ष क्षत्रिय माली समाज माधपुर (तमिलनाडु)
श्री राहुल भाटी सुपुत्र श्री जितेन्द्रसिंह भाटी, जोधपुर
श्री किसनाराम देवड़ा, श्री जी एन्टरप्राइजेज, जोधपुर
श्री(इंजि.)तेजप्रताप पुत्र श्री मंगलसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अभय सिंह पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र श्री आनंदसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री नेपाराम देवड़ा, बालरंवा, तिंवरी
श्री अमृत सांखला, फ्यूचर प्लस क्लासेज, जोधपुर
श्री चेतन देवड़ा पुत्र स्व. श्री मानसिंह देवड़ा, जोधपुर
श्री अरविंद गहलोत (पार्षद) पुत्र श्री मांगलाल गहलोत, जोधपुर
सीए श्री अर्जुन पुत्र श्री कांतिलाल परिहार, बाली, पाली
श्री पप्पुराम पुत्र श्री रामचंद्र गहलोत, चौखा, जोधपुर
डॉ. श्री महेन्द्र भाटी 'त्रिकाल', रायपुर, पाली
श्री रोहित पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री रामेश्वर सिंह पुत्र स्व. लाल सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जगन्नाथ सिंह पुत्र श्री मेघसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हुक्माराम भाटी पुत्र श्री सुखदेवराम भाटी, जोधपुर
श्री श्याम लाल पुत्र श्री बुद्धाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री रामकिशन माली, करौली
श्री चेतन सिंह पुत्र श्री संतोकसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री लुंबाराम देवड़ा, जगदम्बा पब्लिक स्कूल, जोधपुर
श्री विकास कच्छवाहा पुत्र श्री नरेन्द्रसिंह, जोधपुर
श्री कानाराम सांखला, कानजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री कुशाल राम सांखला, रामजी स्वीट्स, जोधपुर
श्री मुकेश टाक पुत्र श्री हरीसिंह टाक, जोधपुर
श्री अरविंद पुत्र श्री आनंदप्रकाश गहलोत, जोधपुर
श्री आनंदसिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह सांखला, जोधपुर
श्री जयंत सांखला,आर.एस.एम.विद्याश्रम, जोधपुर
श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री मोहनलाल कच्छावा, अजमेर
श्री ताराचंद पुत्र श्री मोतीलाल सांखला, मथानियां
डॉ. कमल सैनी, सोलन, हिमाचल प्रदेश
श्री ओमप्रकाश सैनी पुत्र श्री गणपत जी लाडनूं
डॉ प्रवीण पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राकेश पुत्र श्री छतरसिंह गहलोत, जोधपुर
डॉ. भीमपाल पुत्र श्री बुधाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री मदन जी कच्छवाहा, जोधपुर
श्री गोविंद पुत्र श्री भगवानसिंह परिहार, जोधपुर
श्री शरद टाक, जोधपुर
श्री मुकेशराज पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, जोधपपुर

माली सैनी सन्देश

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक _____

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियां आपको विगत 15 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गो में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रू. 600/- | **5 वर्ष रू. 1,500/-** | **आजीवन रू. 3,100/-**

नाम/संस्था का नाम _____

पता _____

फोन/मोबाईल _____ ई–मेल _____

ग्राम _____ पोस्ट _____ तहसील _____

जिला _____ पिनकोड _____

राशि (रूपये) _____ बैंक का नाम _____

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक _____ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक _____

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे : – प्रसार प्रभारी

3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज।)

Mobile : 94144 75464 Visit us at : www.malisainisandesh.com
www.malisaini.org. E-mail :malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

ही क्यों ?

क्योंकि ?

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि ?

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

INNER COLOR

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

Cell : 94144 75464

log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर कॉम्पलेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज.)

सावित्री बाई फूले की पुण्यतिथि पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की झलकियां

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर रिट कम्पयूटर संस्था द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर की झलकियां

Postal Regd No. Jodhpur/496/2021-23

विश्व प्रसिद्ध रावजी

की गेर में उमड़ा हुजूम

इस बार राव राजा बननें
का सौभाग्य समाज के नवविवाहित

सदानंद गहलोत

को मिला

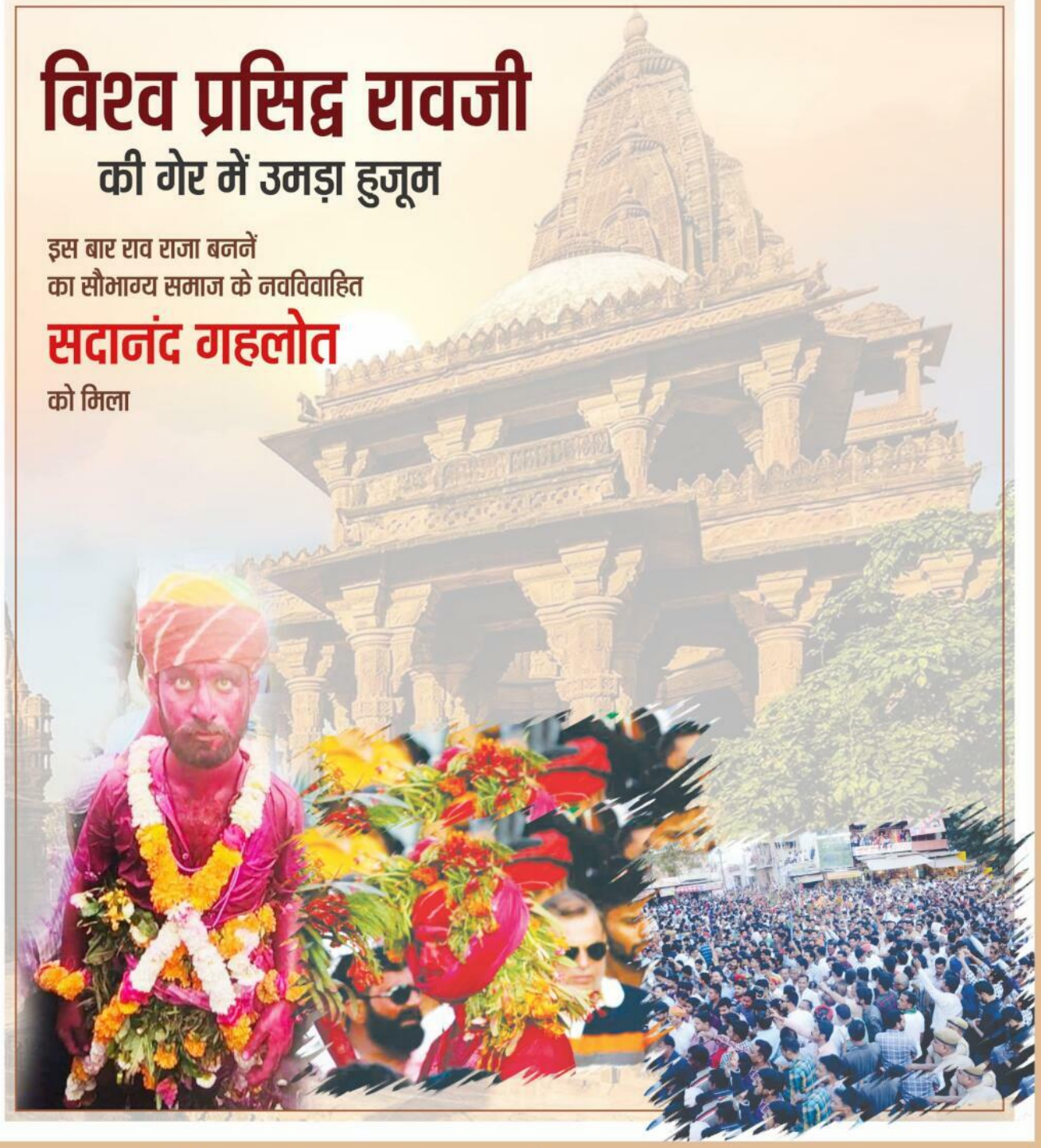

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR